केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

किसी का अपमान करने से पहले यह अवश्य सोच लें कि, आप अपना सम्मान खोने जा रहे हैं...!

वर्ष 13 अंक 270 | उज्जैन, बुधवार 15 मार्च 2023 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल की सुरक्षा में कटौती; मलिक बोले, अगर मुझे कुछ हो, तो केंद्र सरकार जिम्मेदार

नई दिल्ली/जीएनएस। किसानों के मुद्दे और अग्निवीर योजना पर केंद्र सरकार के खिलाफ खुलकर बयान देने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की सुरक्षा में कटौती कर दी गई है। मलिक जम्मू और कश्मीर के अलावा, मेघालय और गोवा के राज्यपाल रह चुके हैं। सत्यपाल मलिक ने कहा कि मुझे पुलिस मुख्यालय से इस बात की सूचना मिली है कि मेरी जेड प्लस सुरक्षा हटा दी गई है। मुझे बस एक पीएसओ दिया गया है, वह भी बीते तीन दिन से नहीं आ रहा है। ऐसी हालत में अगर मुझे कुछ भी होता है, तो इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि मैं जब गवर्नर था, तो मैंने ही जम्मू- कश्मीर में विधानसभा भंग की थी। साथ ही मेरे कार्यकाल में ही धारा 370 भी हटाई गई। मैं बताऊं, तो आज तक जम्मू-कश्मीर मे जितने भी एलजी रहे हैं, उनके सब के पास सुरक्षा है। ऐसे में मेरी ही सुरक्षा क्यों हटाई गई, यह समझ नहीं आ रहा है। बता दें कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के परिवार के लिए आजीवन सुरक्षा कवर के लिए प्रोटोकॉल लागू है। हालांकि, राज्यपालों और एलजी (उपराज्यपाल) के लिए सुरक्षा कवर सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त खुफिया जानकारी पर आधारित होता है।

दिल्ली दंगे में कोर्ट ने नौ आरोपियों को माना दोषी, विशेष समुदाय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना था उद्देश्य

नई दिल्ली/जीएनएस। दिल्ली दंगे में कडक़डडूमा कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए नौ आरोपियों को दोषी पाया है। यहां तक कहा गया है कि हिंदू समुदाय की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य के साथ बवाल काटा गया था। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया है कि पुलिस द्वारा आरोपियों पर जो आरोप लगाए गए हैं, वे पूरी तरह साबित होते हैं। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा कि आरोपी एक झुंड का हिस्सा बने थे, उस झुंड का जो पहले से सांप्रदायिक भावनाओं से भरा बैठा था, उसका सिर्फ एक उद्देश्य था, हिंदू समुदाय की संपत्ति को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जाए। पुलिस द्वारा लगातार पीछे हटने की अपील की गई थी, लेकिन झुंड ने अपने बवाल को जारी रखा। एक याचिकाकर्ता की शिकायत पर कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। असल में रेखा शर्मा नाम की महिला ने आरोप लगाया था कि तीन साल पहले 24-25 फरवरी को भीड़ ने उनके घर पर हल्ला बोल दिया था। सामान लूटा गया था और ऊपर वाली मंजिल पर जो रूम थे, उनमें आग लगा दी थी। उस वजह से भारी नुकसान हुआ था। अब कोर्ट ने याचिकाकर्ता के दावों को सही माना है और नौ आरोपियों को दोषी पाया है। आरोपियों के नाम मोहम्मद शहनवाज, मोहम्मद शोएब, शाहरुख, राशिद, आजाद, अशरफ अली, परवेज, फैजल और रशीद हैं।

फिर डराने लगा कोरोना; बीते 24 घंटों में 2 लोगों की मौत, 94 नए मामले आए

नई दिल्ली/जीएनएस। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ना शुरू हो गए हैं। बीते 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना के 94 नए मामले सामने आए हैं जबकि 2 लोगों की कोरोना से मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 3,903 हो गई है। देश में पिछले 24 घंटे में 306 लोग स्वस्थ हुए हैं और अब कोरोना संक्रमण को मात देकर पूरी तरह से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा बढ़कर 4,41,56,651 पर पहुंच गया है। देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 7,395 लोगों को टीका लगाया गया है और अब तक देश में 220,64,63,236 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,46,91,338 है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में सर्वाधिक 26 की वृद्धि हुई है।

विश्वकर्मा समाज का गौरव प्राचीन और ऐतिहासिक - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा››विश्वकर्मा जयंती पर एच्छिक अवकाश दिया जाएगा ››मुख्यमंत्री निवास पर हुई विश्वकर्मा महापंचायत

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भगवान विश्वकर्मा की कृपा हम सब पर है। वे हमारी सृष्टि के सर्वोच्च वास्तुकार हैं। ऋग्वेद में भगवान विश्वकर्मा का दुनिया के सबसे बड़े कारीगर के रूप में उल्लेख किया गया है। समुद्र मंथन से भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ। सभी मशीनरी एवं अन्य वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया है। वे निर्माण के देवता हैं। साथ ही समाज के लोग अत्यंत मेहनती, परिश्रमी और ईमानदार हैं। राज्य सरकार समाज के उत्थान के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेंगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ विश्वकर्मा समाज की बहनों को भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास पर विश्वकर्मा महापंचायत में समाज के नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, वन मंत्री डॉ. कुं.विजय शाह सहित समाज के पदाधिकारी और नागरिक मौजूद थे। संत भगवान शरण बापू, डॉ. तरण मुरारी बापू, लक्ष्मण प्रसाद शास्त्री विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुष्प-वर्षा कर विश्वकर्मा समाज के बंधुओं का स्वागत किया। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर महापंचायत का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महापंचायत में विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बोर्ड के अध्यक्ष को केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जाएगा। इसमें चार सदस्य भी होंगे। उन्होंने कहा कि समाज की भागीदारी बढ़ाने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जाएंगे। युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण और व्यवसाय के लिए ऋण की व्यवस्था करेंगे। भगवान विश्वकर्मा की जायंती पर ऐच्छिक अवकाश घोषित किया जाएगा। विश्वकर्मा समाज के कल्याण के लिए योजनाएँ भी बनाई जाएंगी।

संत तरूण मुरारी बापू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के विकास और सेवा में निरंतर लगे हुए हैं। विश्वकर्मा समाज के कल्याण के लिए कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में श्रीमहाकाल लोक बना कर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अभूतपूर्व कार्य किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान सहृदय व्यक्तित्व के धनी हैं, जो दिन-रात प्रदेश की जनता की चिंता कर रहे हैं।मुख्यमंत्री श्री चौहान का विश्वकर्मा समाज द्वारा बड़ी पुष्प-माला से स्वागत किया गया। विश्वकर्मा महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रेमरानायण विश्वकर्मा ने समाज की प्रमुख मांगें रखी, जिसमें विश्वकर्मा कल्याण आयोग के गठन की मांग भी शामिल थी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा

दो वाहनों की टक्कर में 5 की मौत, 9 घायल

फिरोजाबाद/जीएनएस। उत्तर प्रदेश में फिरोजाबाद के नसीरपुर क्षेत्र में मंगलवार को आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर फोर्स जीप और इको स्पोर्ट्स कार में हुई भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दुर्घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।पुलिस सूत्रों ने बताया कि फोर्स जीप एक्सप्रेस वे पर खड़ी थी कि पीछे से तेज गति से आ रही इको स्पोर्ट्स कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही यूपीडा की टीम और थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। दुर्घटना में घायल हुए लोगों को शिकोहाबाद और फिरोजाबाद के अस्पतालों में पहुंचाया गया। मौके पर पांच लोग की मौत हो गई।उन्होंने बताया कि जीप सवार लोग गोरखपुर से कार्यक्रम में शामिल होकर चूरू राजस्थान के लिए वापस लौट रहे थे जबकि ईको सवार लोग लखनऊ से दिल्ली वापस जा रहे थे। जीप में सवार चार लोगों की मौत हुई है जिनमें बाबूलाल? (40) और नेमीचंद (43) सगे भाई हैं। इसके अलावा राकेश (38) और कैलाश (38) नजदीकी रिश्तेदार हैं। वहींकार में सवार मिथिलेश गुप्ता पत्नी कैलाश चंद गुप्ता निवासी डाबरी एक्सटेंशन नई दिल्ली की मौत हुई है ।घायलों में नेहा (25),बेबी (28),राकेश (35),एक बच्चा (7),विनोद (50),परसराम (35), जीप चालक ओमप्रकाश (48),आभास गुप्ता (23),वैष्णवी गुप्ता (20) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी रवि रंजन और एसपी सिटी सर्वेश कुमार मिश्रा अन्य अधिकारियों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे वहां उन्होंने घायलों के उपचार की उचित व्यवस्था के साथ ही पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की निर्देश दिए गए ।

मप्र में विधायकों को खरीदने-बेचने का खेल अब खत्म होगा, इस बार झाड़ू चलेगी

नई दिल्ली/जीएनएस। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को मध्य प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी एवं विपक्षी दल कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश में विधायकों को खरीदने-बेचने का खेल अब खत्म हो जाएगा क्योंकि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में आप की सरकार बनेगी। गौरतलब है कि मार्च 2020 में कांग्रेस के 22 विधायकों के पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल होने से तत्कालीन कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिर गई थी और शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 23 मार्च 2020 को भाजपा की सरकार प्रदेश में बन गई थी।

यहां भेल के दशहरा मैदान में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश से कुछ लोग मुझसे मिले और बताया कि मध्य प्रदेश में सरकारें बेची और खरीदी जाती हैं। यह बड़ी समस्या है।'' उन्होंने कहा कि आज मध्य प्रदेश का हर नागरिक अपने आपको बेबस महसूस कर रहा है।

आप के संयोजक ने दल-बदल पर भाजपा और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, ''विधानसभा चुनाव खत्म होते ही एक पार्टी अपनी रेहड़ी लेकर निकलती है कि विधायक ले लो और एक पार्टी उन विधायकों को खरीदने के लिए तैयार बैठी है।इन्होंने पूरी व्यवस्था, संविधान और देश के लोकतंत्र को बाजार बना दिया है। यहां पर खुलेआम विधायक बिकते और खरीदे जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का एक-एक नागरिक प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान (जनता में मामा के नाम से मशहूर) को हटाना चाहता है।

पिछली बार ही हटा दिया था, लेकिन जनता का वश नहीं चलता है। जनता चाहे जिसको वोट दे लेकिन सरकार तो भाजपा की ही बनेगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का एक-एक मतदाता बेबस हो गया है, वह कहां जाए? लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि कैसे इस सरकार को बदले। केजरीवाल ने कहा, ''चाहे कांग्रेस को वोट दें या भाजपा को दें, लेकिन सरकार तो मामा की बनेगी। लेकिन इस बार मध्य प्रदेश में झाड़ू चलेगी और अब इनका खेल खत्म हो गया है। अब मध्य प्रदेश में विधायकों को खरीदने-बेचने का काम खत्म हो गया है। आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश में आ गई है।'' उन्होंने कहा कि जो लोग मामा (शिवराज सिंह चौहान) को हटाना चाहते हैं, वे सभी लोग झाड़ू को वोट दें। आज पूरा मध्य प्रदेश बदलाव चाहता है।

उत्तराखंड विधानसभा में हंगामा करने वाले 15 कांग्रेस विधायक निलंबित

देहरादून/जीएनएस। उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को निरस्त किए जाने के अध्यक्ष ऋतु खंडूरी के निर्णय का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया। इसके कारण विधानसभा की कार्यवाही कई बार स्थगित हुई और 15 विधायकों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रदेश की ग्रीष्मकालीन राजधानी में जारी बजट सत्र के दूसरे दिन शून्य काल में जसपुर से कांग्रेस सदस्य आदेश चौहान ने उधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला सदन में रखा था जिसे अध्यक्ष ने अदालत में विचाराधीन होने की सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए निरस्त कर दिया था।इस निर्णय से असंतोष जताते हुए कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के सामने पहुंच गए।

उद्धव ठाकरे परिवार के खिलाफ जांच की मांग वाली याचिका खारिज, जुर्माना लगाया

बंबई/जीएनएस। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को वह जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी, जिसमें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में जांच की मांग की गयी थी। अदालत ने याचिकाकर्ताओं पर यह कहते हुए 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया कि जनहित याचिका में कोई साक्ष्य मौजूद नहीं है और यह कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग के अलावा कुछ और नहीं है।शहर निवासी गौरी भिड़े की जनहित याचिका में मांग की गयी कि पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ संपूर्ण और निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को निर्देश दिया जाए। स्वयं को 'गंभीर और सतर्क' नागरिक बताते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि वह आय से अधिक संपत्ति का पता लगाने में भारत सरकार की मदद करना चाहती हैं।न्यायमूर्ति धीरज ठाकुर और न्यायमूर्ति वाल्मीकि मेनेजिस की एक खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि इसने ऐसा कोई सबूत नहीं दिया, जो अदालत को यह निष्कर्ष निकालने का आधार दे सके कि सीबीआई या किसी अन्य केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है।

कोरोना काल के बाद पहली बार विदेशी पर्यटकों के लिए अपनी सीमाएं खोलने जा रहा चीन

बीजिंग/जीएनएस। चीन तीन वर्ष पहले कोविड महामारी फैलने के बाद पहली बार विदेशी पर्यटकों को वीजा जारी करना फिर से शुरू कर रहा है। प्रतिबंधों में बड़ी ढील चीन की ओर से वायरस पर जीत की घोषणा करने और एक शून्य-कोविड रणनीति से पीछे हटने के बाद आई है जिसने इसकी अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई है। गौरतलब है कि 28 मार्च 2020 को चीन के दुनिया के लिए बंद होने से पहले जारी किए गए वैध वीजा को 15 मार्च से लागू किया जाएगा। क्रूज जहाजों के लिए हैनान द्वीप और शंघाई में वीजा-मुक्त प्रवेश फिर से शुरू होगा। हांगकांग और मकाऊ के टूर समूहों को वीज़ा-मुक्त प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जबकि विदेशों में चीनी कांसुलर कार्यालय भी वीज़ा आवेदनों की प्रक्रिया फिर से शुरू करेंगे। कोविड से निपटने के लिए लगाए गए पिछले सीमा-पार प्रतिबंधों को हटाना महामारी के बाद चीन में सामान्य जीवन की बहाली की दिशा में एक बड़ा कदम है। सभी बदलाव 15 मार्च से प्रभावी होंगे। महामारी से पहले हर साल लाखों अंतरराष्ट्रीय पर्यटक चीन आते थे, और इसके पर्यटन उद्योग को सख्त कोविड विरोधी उपायों से कड़ी टक्कर मिली है। विश्लेषकों का कहना है कि देश अपनी सीमाओं को फिर से खोलने के बाद अंतरराष्ट्रीय आवक में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

कांग्रेस के पूर्व विधायक वैद के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

चंडीगढ़/जीएनएस। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह वैद के घर से स्वीकृत सीमा से अधिक शराब की बोतलें बरामद होने के बाद मंगलवार को आबकारी अधिनियम के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। लुधियाना क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (वीबी) रविंदर पाल सिंह संधू ने बताया कि पूर्व नौकरशाह वैद के घर पर छापेमारी के दौरान 73 बोतल विदेशी शराब बरामद की गई। उन्होंने बताया कि वैद के पास कुछ बोतलें रखने का लाइसेंस था, लेकिन उनके घर से मिली शराब की बोतलें स्वीकृत सीमा से अधिक हैं। अधिकारी ने बताया कि केवल चंडीगढ़ में बेची जा सकने वाली शराब की सात बोतल भी मिलीं।

युवा जय भण्डारी जैन सोश्यल ग्रुप इंदौर अहिल्या रीजन के 'वाईस चेयरमैन' मनोनीत...

झाबुआ/माणक लाल जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर मे हमेशा सामाजिक धार्मिक कार्यों मैं अग्रणी रहने वाले युवा जय मनोहरलाल भण्डारी को उनके उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए जैन सोश्यल ग्रुप इंदौर अहिल्या रीज़न मे वाइस चेयरमैन÷ का कार्यभार सौंपा गया। वर्तमान मे जय भण्डारी इंदौर अहिल्या रीज़न के जॉइंट सेक्रेटरी का कार्यभार संभाल रहे हैं । रीज़न के वर्तमान चेयरमैन सपन नाहटा ने उनकी कार्यों को सफल बनाने हेतु सक्रियता,सजगता व तत्तपरता की जमकर तारीफ करते हुए इस पदुन्नति पर अपनी शुभकामनाएं दी है। साथ ही फेडरेशन के पूर्व चेयरमैन अजीत ललवानी व रिजन के आगामी चेयरमैन राजेन्द्र जैन ने अपनी बधाइयाँ प्रषित की है।

इंदौर अहिल्या रिजन मैं पहली बार, झाबुआ-धार जिले मैं यह पद जय भण्डारी को मिलने पर, इंदौर रीज़न के अंतर्गत झाबुआ के सभी ग्रुप - जैन सोश्यल ग्रुप मैत्री, जैन सोश्यल ग्रुप 'मैन', संगिनी 'सेतू', संगिनी 'प्राइड', के सदस्यों मैं हर्षोल्लास रहा। जैन सोश्यल ग्रुप 'मैत्री' के संस्थापक अध्यक्ष मनोज बाबेल ने बताया हमारे ग्रुप के सदस्य को यह पदभार मिलना, हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया की हमने सभी ग्रुप की और से जय जी भण्डारी का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत मैं मनोज - मीनल बाबेल, मयंक रुनवाल, नीरज - मीना गादीया, शालीन-विधि धारीवाल, रितेश-हंसा कोठारी, दिनेश रुनवाल, गौरव जैन, सीकू-शर्मिला कोठारी, नितेश कोठारी, आशीष श्रीमाल, संदीप जैन(राजरतन), मनोज कटकानी, अंकुर भण्डारी, संचित-शैलू बाबेल, अर्पित-श्रुति सकलेचा, निशान शाह, कपिल गादीया, मितेश गादीया, अमित जैन(नेताजी), विराट पितलिया, रवि राठौर, समकित भण्डारी, सुनील कटकानी, रत्नदीप सकलेचा, अर्पित संघवी, पलाश प्रधान, मयंक जैन, आदि सभी ने पुष्प मालाओं व बुके भेंट कर भव्य स्वागत किया। झाबुआ के सभी ग्रुप के सदस्यों ने भण्डारी को इस नविन पदभार हेतु खूब खूब शुभकामनाएं प्रेषित की।

पीड़ित प्रतिकर योजना के अन्तर्गत 44 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं श्री आर.के.वाणी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के अनुमोदन उपरांत पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्रों के पाक्सो एक्ट के अंतर्गत लैंगिक उत्पीड़न के 15 मामलों में 44 लाख रूपये की राशि न्यायालय की अनुशंसा के आधार पर स्वीकृत की गई, ताकि लैंगिक अपराधों से पीड़ित बालकों का पुर्नवास उचित तरीके से हो सके। सचिव/जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अरविंद कुमार जैन द्वारा बताया गया कि उक्त योजना के अंतर्गत महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक अपराधों, भ्रूण हत्या, एसिड अटैक, हत्या, बलात्संग जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में पीड़ित व्यक्ति या उनके आश्रितों को शासन द्वारा उक्त योजना में वर्णित प्रावधानों के आधार पर जांच अपरांत प्रतिकर राशि प्रदान की जाती है।

16 दिन तक महिलाएं भगवान शिव और पार्वती का व्रत और पूजन करेगी

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा फुल्लपाती निकाली गयी

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में हर साल की तरह इस साल भी माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर उत्सव मनाया। बैजनाथ महादेव मंदिर से जुलूस शुरू हुआ। यह जुलूस बस स्टैंड, अम्बेडकर चौराहा, भेरूखलिया, सभामंच , मोदी चोराहा होते हुए गणेश गार्डन पहुंचा जहां जुलूस का समापन हुआ। जिसके बाद भगवान श्री राधा कृष्ण की विशेष आरती की गई और प्रसादी का वितरण किया गया। माहेश्वरी महिला मंड़ल अध्यक्ष विष्णुकांता सोमानी ने बताया कि गणगौर का यह पर्व विशेष रूप से महिलाएं मनाती हैं। विवाहिता महिलाएं पति की लम्बी आयु और कुशल वैवाहिक जीवन के लिए और अविवाहित कन्याएं मनोवांछित वर पाने के लिये गणगौर पूजा करती हैं। हालांकि गणगौर का पर्व होली के दूसरे

दिन से ही आरंभ हो जाता है लेकिन इस पर्व की मुख्य पूजा चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को की जाती है। इस पूरे 16 दिन तक महिलाएं भगवान शिव और पार्वती का व्रत और पूजन करती हैं।

जगह जगह हुआ स्वागत- बैजनाथ महादेव मंदिर से जुलूस के प्रारंभ होते ही बस स्टैंड पर माहेश्वरी चाट हाउस, माहेश्वरी नवयुवक मंडल, पवन जी सोमानी फूलों की वर्षा कर,शीतल पेय, आइसक्रीम से स्वागत किया।

यह सभी लोग रहे मौजूद-इस अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष विष्णुकांता सोमानी, सचिव अनिता बल्दवा, उषा बल्दवा,सोनाली माहेश्वरी, किरण सोमानी, संगीता सोमानी, विद्या बाहेती, जयश्री माहेश्वरी, सरोज बियाणी, विनीता बाहेती,सरला सोमानी, ज्योति काबरा, संगीता डांगरा, राखी बाहेती, सोनाली सोमानी, ममता सोमानी,शिखा सोमानी,रेशमी काबरा, रीतू चांडक आदि उपस्थित रही।

नारी शक्ति अपनी ताकत दिखाएगी

15 तारीख से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले कि समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन के नेतृत्व में महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी परवेशक ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ता, सहायीकाओ द्वारा चरणबद्ध आन्दोलन कीया जा रहा है। जिसमे 15 तारीख से अनिश्चित कालीन हड़ताल की जाएगी। अनिश्चितकालीन हड़ताल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका व अन्य कार्यकर्ताओं की मांगों के निराकरण होने तक जारी रहेगा। विभाग के सभी कार्यकताओं से अपील है कि अधिक से अधिक सख्या मे भाग लेकर आन्दोलन को सफल बनाए एव अपने नारी शक्ति अपनी एकता दिखावे । चरणबद्ध आंदोलन को सफल बनाने की अपील जिलाध्यक्ष कमल सिंह निगवाल, जिला पर्यवेक्षक राखी देवडा एवं रानी जायसवाल ने की है।

कांग्रेस के प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन मैं जिले के कांग्रेस जन शामिल हुए

झाबुआ/माणक लाल जैन /दैनिक मालवा हेराल्ड। 13 मार्च को मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में प्रदेश व्यापी राजभवन घेराव धरना प्रदर्शन में जिले के लगभग 14 सो कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया प्रमुख रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री विधायक कांतिलाल भूरिया डॉ पेटलावद विधायक वाल सिंग मेडा थांदला विधायक वीर सिंह भूरिया जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया पूर्व विधायक जेवियर मेडा जिला पंचायत उपाध्यक्ष अकमल डामोर कार्यवाहक अध्यक्ष हेमचंद डामोर कांग्रेस प्रवक्ता साबिर फिटवेल जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष विजय भाबर एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विनय भाबर समाज कल्याण प्रकोष्ठ अध्यक्ष जितेंद्र शाह यामीन शेख मथियास भूरिया पार सिंह डिंडोर आनंद चौहान हरीश पंचाल गेंदाल डामोर राजेश डामोर बबलू कटारा अली असगर बोहरा दरियाव सिंह कीलु भूरिया कान्हा गुंडिया खुना गुण्डिया आदि हजारों की तादाद में कांग्रेस जन प्रदेश भर से राजभवन घेराव वह धरना प्रदर्शन में पहुंचे थे।

रक्तमित्र नागदा का हुआ 20 देशों के साथ सम्मानित

संजीवनी सेवा एवं जन कल्याण समिति International #award बीकानेर राजस्थान 11-12/03/2023 भारत अपना देश सहित 20 आमंत्रित देश 36 राज्य 500 रक्त मित्र संस्थाए 45 से अधिक बार रक्त दान मानव सेवा हेतु अंतरराष्ट्रीय ग्लोबल ह्यूमैनिटी चेंज मेकर अवार्ड-2023 सहित सम्मानित किया गया।

खाचरोद/दैनिक मालवा हैराल्ड/ मुरलीदास बैरागी। उज्जैन के नागदा के सम्मानित सदस्यों के नागदा निवासी रक्त मित्र सुनील भावसार ने बताया कि टीम वर्क से वर्ष 1997 जब मेरा प्रथम रक्तदान मंदसौर से शुरू होकर रतलाम इंदौर उज्जैन अहमदाबाद आदि जगह पहुंच कर रक्तदान से लेकर 2023 तक हजारों रक्तदान,प्लाज्मा, प्लेटलेट्स की पूर्ति थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की सेवा सेवा अंतिम क्षण तक अनवरत जारी है यह सब कृपा महाँकाल प्रभु की ये नाम, ये सम्मान सब मेरे हर उस व्यक्ति/संस्थसंगठन का इस पर अधिकार जिसने हर समय मेरे आग्रह पर रक्तदान की व्यवस्था में अपना योगदान और सहयोग दिया आभार- राष्ट्रहित फाउंडेशन ट्रस्ट, बीकानेर, राजस्थान इस मान-सम्मान हेतु नागदा सहित सम्पूर्ण क्षेत्र वासियों ने असीम शुभकामनाओ के साथ हृदय से कोटिशः अभिनंदन किया।

नगर में शीतला सप्तमी का त्योहार पर नारी शक्ति माताओ ने की पूजा आधी रात से ही नगर के पुराने शीतला माता मंदिर पर श्रद्धालु माताओ का आना शुरू हुआ

झाबुआ (थांदला) माणक लाल जैन।मंगलवार दिन भर चलती रही पूजा शीतला माता पूजन में एक दिन पहले बनाया खाना जिसे ठंडा भोजन भी कहते हे माता को चढ़ाया जाता हे महीलाओं अपने अपने घरों से पुरी पापड गांठीया ढोकला खाजा पापड़ तरह-तरह के व्यंजन माता की पूजा हेतु घर से लेकर मंदिर आती हे वही भोजन बाद में परिवार के लोग खाते हे ऐसा बताया जाता हे शीतला माता का ठंडा भोजन करने से कई बीमारी से बचाव भी होता हे जीस में गम्भीर रोग शारीरिक दुर्बलता व लूं पीलीया आदि मोसम परिवर्तन से होने वाली बीमारियों में यह माता का भोजन भोग लगा प्रसाद खाने से बीमार व्यक्ति को आराम मीलता हे नगरपरिषद ओर पुलिस विभाग द्वारा आधी रात में नगर के मंदिर जाने वाले रास्ते पर लाइट ओर पुलिस विभाग द्वारा जवानों की ड्यूटी लगा रखी थी ताकि पूजा करने वाली माता बहनों को मंदिर तक जाने में किसी तरह की परेशानी न हो मंदिर पर प्रजापत समाज द्वारा पानी की ओर टेंट लगाकर बैठने की व्यवस्था भी रखी गई थी ज्यादा भीड होने पर किसी को पूजा करने में असूविधा न हो सभी की बारी बारी लाइन मे लगकर नंबर से पूजा हुई ओर आज के दिन माता के भक्तों द्वारा माता से निरोग स्वस्थ रहने का आशीर्वाद मांगा जाता हे ओर घरों में खुशहाली की कामना मां से की जाती हे शाम को माता जी की भव्य शोभायात्रा नगर में प्रजापत समाज द्वारा निकाली जाती हे जीस में शीतला माताजी के चित्र को रथ पर रखकर नगर में माता जी आशीर्वाद देने निकलती हे और श्रद्धालू भक्तों द्वारा नारियल फ़ूल भेंट कीए जाते है।

नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान एवं सेल्फी विथ जीवा का शुभारंभ

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कैलाश वानखेड़े के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पर नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान व नशा मुक्ति शपथ एवं सेल्फी विथ जीवा का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मुन्ना बाई चौहान, सिविल सर्जन डॉ. आरएल मालवीय, उप संचालक सामाजिक न्याय भारती अवास्या द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर एवं नशा मुक्ति हेतु हस्ताक्षर कर सेल्फी लेकर किया गया। इस अवसर पर चिन्हित 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले श्रवण बाधित दिव्यांगजनों हेतु अली यावर जंग वाक् एवं श्रवण संस्थान मुंबई के सहयोग से परीक्षण एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के मुंबई से पधारे दल के अरविन्द सुरवडे, गोपाल शर्मा एवं संजय खंडागडे द्वारा श्रवण दिव्यांगजनों का परीक्षण किया गया एवं तत्काल पात्र होने पर उपकरण प्रदाय किए गए। साथ ही इस अवसर पर बड़ौद के दिव्यांग अरुण लवंशी एवं श्रवण दिव्यांग नुसरत खान सहित अनेक दिव्यांग जनों को अतिथिगण द्वारा कान की मशीन प्रदाय की गई। आयोजन के दौरान प्रमुख रूप से सामाजिक न्याय विभाग शाखा प्रभारी निलेश झांसिया ,जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के किशोर पंचोली,समग्र अधिकारी राजू अरवार एवं सुषमा भिडोरिया उपस्थित रहे। आयोजन में जनपद पंचायत आगर और बडौद तथा नगर परिषद कानड़,आगर ,बडौद के श्रवण दिव्यांग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य विभाग के आरसी इरवार एवं आभार प्रदर्शन सामाजिक न्याय विभाग के निलेश झांसिया ने किया।

इसी तरह 15 मार्च को जनपद पंचायत सुसनेर और नलखेड़ा तथा नगर परिषद सुसनेर ,सोयत,नलखेड़ा और बड़ागांव के चिन्हित श्रवण बाधितों के परीक्षण एवं उन्हें कान की मशीन प्रदाय की जाएगी।

14वीं पुण्यतिथि पर प्याऊ का शुभारंभ

शुजालपुर/ किशोर नाथ राजगुरु/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में प्रतिवर्ष ब्रजनगर चौराहे पर दीपक परमार द्वारा अपने पिताजी स्व.श्री ज्ञानसिंह जी परमार की पुण्यतिथि पर गर्मी में राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सके इसके प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पेयजल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों द्वारा सर्वप्रथम स्व.ज्ञानसिंह जी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर उनकी यादों से जुड़े यादगार पलों को याद किया।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बबीता परमार, विवेकानंद नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष डॉ विजय सिंह खींची, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जेपी परमार(मामा), हिम्मत सिंह परमार,अभिषेक सक्सेना, नरेंद्र परमार, सुरेश परमार,पार्षद गिरधारी परमार,कपिल व्यास, धरम परमार, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवलोकन समिति ने किया कथा स्थल का निरीक्षण

पं. प्रदीप मिश्रा की पाँच दिवसीय शिव महापुराण कथा 24 मार्च से »»सफल आयोजन के लिए शिवभक्तों के साथ बैठकों का दौर भी कर रहे सिसोदिया

बदनावर/मनीष शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अति प्राचीन तीर्थ स्थल कोटेश्वरधाम में आगामी 24 मार्च से पाँच दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा प्रारंभ होगी। जिसको लेकर धरातल पर व्यापक तैयारियाँ तेज हो गई है। टेन्ट व्यवस्थापक द्वारा कथा के दौरान रुकने वाले धर्मालुओं के उपयोग में लिये जाने वाला भोजन परिसर चद्दर की दीवार बनाकर तैयार कर दिया गया है। भव्य आयोजन की व्यवस्था का अवलोकन करने के लिए कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा की निरीक्षण समिति में शामिल उनके भानजे समीर शुक्ला ने कथा स्थल का अवलोकन किया। अवलोकन समिति में उदित पाण्डे, शुभम राठौड़, अमन पाण्डे आदि शामिल थे। मंच व्यवस्था, मेला व्यवस्था, भोजन परिसर आदि व्यवस्थाओं का अवलोकन कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किये एवं मंदिर पूजारी मंगल भारती के सानिध्य में समीर शुक्ला ने पूजा-अर्चना के साथ शिवलिंग का अभिषेक किया।

गौरतलब है कि स्व. शिवकुमार सिसौदिया इन्दौर एवं स्व. ओमप्रकाश पांडे नागदा की स्मृति में आयोजक शरदसिंह सिसौदिया द्वारा भव्य शिव महापुराण कथा आयोजित करवाई जा रही है। कथा का वाचन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा किया जाना है। आयोजन को लेकर समूचे अंचल में खासा उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया है। आयोजक सिसौदिया प्रतिदिन समूचे अंचल के गाँवों में पहुँचकर जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन एवं शिवभक्तों के साथ बैठक कर आम जनमानस को निमंत्रण पत्र के साथ आयोजन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आग्रह कर रहे है। आयोजन की समुचित व्यवस्था के लिए जल प्रबंधन समिति, भोजन व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, दर्शन समिति सहित अनेक समितियों के गठन कर प्रमुख पदाधिकारियों के साथ दो हजार से अधिक सदस्य सेवारत रहेंगे। आयोजन में सहभागी बनने व सेवा देने के लिए प्रतिदिन धर्मालुगण अपने आधार कार्ड की छायाप्रति व चित्र प्रदान कर अपना पंजीयन दर्ज करवा रहे है।

खाना खाकर सड़क पर घूम रहे चार लोगों को तेज रफ्तार कार ने पिछे से मारी टक्कर

सोयत कला/ विष्णु जाटव/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार रात 9:00 बजे इंदौर कोटा मार्ग पर पुलिस थाने के नजदीक रात में खाना खाने के बाद सड़क पर घूम रहे चार लोगों को कार ने पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में चारों युवक गंभीर घायल हो गए, घायलों का नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद झालावाड़ रेफर किया जहां सभी का उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात 9~00 बजे हिमांशु पुत्र राम गोपाल राठौर उम्र 19 वर्ष निवासी सोयतकला, पप्पू पुत्र मदनलाल उम्र 40 वर्ष निवासी सोयत कला, मोहित पुत्र लक्ष्मीनारायण राठौर निवासी सोयत कला खाना खाने के बाद सड़क पर घूम रहे थे। इसी बीच एक कार ड्राइवर ने लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद कुछ ही दूरी पर अपने मामा के खेत पर जा रहे रवि पुत्र कैलाश चंद्र गायरी निवासी रीछ्वा जिला झालावाड़ हाल मुकाम सोयत कला को भी कार चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के रहवासियों की घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई। रहवासियों ने घायलों को इलाज के लिए नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चारों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर मुकेश जाट ने 108 की मदद से झालावाड़ रेफर किया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा फरार कार चालक की तलाश में जुट गई।

क्षेत्र में आत्महत्या के मामले बढ़ना गंभीर विषय

इंसानी स्वभाव कुछ विषयों को लेकर बहुत संवेदनशील होता है। हम हमेशा खुश दिखें, लोग हमारे बारे में अच्छा ही सोचें, हम कभी कमजोर न पड़ें, ऐसे तमाम प्रयास सतत रूप से करता रहता है, पर क्या वास्तव में सबकुछ जैसा आप सोचते हैं वैसा ही होता रहे, ऐसा संभव है? आप खुद से ही इसका जवाब मांगिएगा, हर बार आपको %नहीं% सुनने को मिलेगा। पर यह %नहीं% जब ज्यादा प्रभावी होने लगता है तो इसका असर हमारे मन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। क्षेत्र में भी पिछ्ले कुछ माह में आत्महत्या मामलों में बड़ोत्री हुई है, जो बहुत ही गंभीर विषय है। अधिकतर मामले में प्रेम प्रसंग, आर्थिक समस्या, गृह कलेश, बेरोजगारी, शिक्षा में प्रतिस्पर्धा लेकर अधिक है। इस तरह के हादसों से परिवार सहित परिचित भी सदमे में आ जाते है। कुछ मामलों में कारण पता चलता है पर कुछ ऐसे भी मामले है जिसमे पता नही चलता है ओर परिवार के लिए एक प्रश्न चिन्ह जीवन भर रह जाता है। वर्तमान दौर में सभी इतने व्यस्त हो रहे है की अपनो की पीढ़ा को हम समझ ही नही पा रहे है की हमारे अपनो के जीवन में क्या परेशानी हो रही है। इन गंभीर मामलों को रोकने के लिए हम अपने आसपास के लोगों की मनोस्थिति को सहजता और गंभीरता के साथ समझने का प्रयास करना शुरू कर दें। अगर समय पर जिस तरह से दीपिका को उनकी मां का साथ मिला, ऐसा हर किसी को किसी का साथ मिल जाए तो निश्चित ही एक बेशकीमती जान को बचाया जा सकता है। और यकीन मानिए अगर आप किसी आत्महत्या को रोकने में सफल हो जाते हैं तो यह आपको ऐसी खुशी का एहसास कराएगी जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अपने हमे परिवार या मित्रो के साथ काउंसलिंग करना बहुत जरूरी है ।

आप किसी को देखकर इस बात का अंदाजा नहीं लगा सकते हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है, पर अगर किसी के व्यवहार में कुछ भी अप्रत्याशित सा लगे तो इस बारे में बात जरूर करें, शायद आपके सहयोग से उसे बल मिले और आप आत्महत्या रोकने का निमित्त बन सकें।

युवाओं के लिए गौरव बन रहे है भाटपचलाना के नैतिक तहसील एवं जिले के अलावा मध्यप्रदेश लेवल तक जबलपूर से प्राप्त कर चुके हैं सम्मान

मानव संस्कार सेवा समिति के सचिव फुलदास बैरागी से संपर्क किया जिसके बाद नैतिक योगी ने स्वयं ब्लड बैंक पहुंचकर अपने जीवन काल का नौवीं बार रक्तदान किया

खाचरोद/दैनिक मालवा हैराल्ड /मुरलीदास बैरागी। उज्जैन के भाटपचलाना के नैतिक योगी अपने जीवनकाल का 9 वी बार रक्तदान आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज उज्जैन पहुंच कर उमरिया निवासी नागेश्वर परमार को दिया गाँव सलवा जितेंद्र चौहान द्वारा जानकारी मिली कि मेरे साले नागेश्वर परमार जो कि उज्जैन जिले के उमरिया क्षेत्र में रहते हैं अचानक उनके प्लेटलेट्स कम हो गए तभी उन्होंने संस्था मानव संस्कार सेवा समिति के सचिव फुलदास बैरागी से संपर्क किया जिसके बाद नैतिक योगी ने स्वयं ब्लड बैंक पहुंचकर अपने जीवन काल का नौवीं बार रक्तदान किया नैतिक ने बताया कि हर 3 महीने के अंतराल में रक्तदान करना चाहिए और अपनी मर्जी से बिना धन लि?ए स्वैच्छिक रक्तदान सह जीवन को बचाना यही रक्तदान का महत्व को दर्शाता है नैतिक ने बताया कि रक्तदान करने के क्या फायदे हैं हृदय (दिल)स्वास्थ्य में सुधार करता है

र?क्तदान से हार्ट अटैक की आशंका कम होती है रक्तदान से खून का थक्का नहीं जमता खून कुछ मात्रा में पतला हो जाता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है शरीर में ऑक्सीजन ठीक ढंग से सप्लाई होती है रक्तदान वज़न कम करने में भी आपकी मदद कर सकता है इसलिए साल में कम से कम दो बार रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने से कैलोरी और फैट जल्दी बर्न होता है हेमोक्रोमैटोसिस बीमारी से बचाव करता है नियमित रुप से ब्लड डोनेट करने से आपके शरीर में आयरन का लेवल बैलेंस रहता है और साथ ही इससे हेमोक्रोमैटोसिस नामक बीमारी से बचाव होता है खून का दान करने से आपके शरीर से कैलोरीज़ कम होती हैं रक्तदान करने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम रहता है जिससे शरीर स्वस्थ रहता है

खून डोनेट करने से लिवर से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं शरीर में ज़्यादा आयरन होने का दबाव लिवर पर पड़ता है वहीं रक्तदान से आयरन की मात्रा बैलेंस हो जाती है आर्टरीज में ब्लाकेज और क्लॉटिंग में समस्या नहीं होती है और हार्टअटैक से बचाव होता है कैंसर का खतरा कम होता है आयरन की मात्रा को बैलेंस करने से लिवर हेल्दी बनता है और कैंसर का खतरा भी कम हो जाता आप रक्तदान करते है तो आपके शरीर में नए टीशूज बनते है जिसके कारण आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बच सकते हैं रक्तदान करके आपको मानसिक संतुष्टि मिलेगा अर्थात आपको अंदर-ही-अंदर अच्छा महसूस होगा आपको खुद पर गर्व होगा क्योंकि आप किसी के जीवन को बचाने में अपना अहम सहयोग दे रहे सभी को हर 3 माह के अंतराल में रक्तदान करना चाहिए। हर जरुरतमंदो को रक्त सही समय पर पहुँचाना और उनकी जान बचाना ही रक्तदान का उद्देश्य है। रक्तदान के माध्यम से लोग निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदत करना और जो व्यक्ति किसी ओर व्यक्ति की सहायता करने के लिए या फिर किसी जरूरतमंद के लिए अथवा स्वंय कर्म के लिए अपना रक्त (खून) दान करते है उन्हें प्रोत्साहित करना रक्तदान का उद्देश्य है।

सीवर एवं पेयजल समस्या का शीघ्र होगा समाधान-महापौर

महापौर ने किया वार्ड क्रमांक 42 का निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने वार्ड क्रमांक 42 सिवर एवं पेयजल समस्या की शिकायत प्राप्त होने पर रात्रि में ही वार्ड रहवासियों के साथ निरीक्षण किया गया एवं आश्वस्त किया कि शीघ्र ही सीवर एवं पेयजल समस्या का समाधान किया जाएगा। वार्ड क्रमांक 42 के रहवासियों द्वारा विगत कुछ समय से सीवर लाइन के साथ-साथ पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है, महापौर श्री टटवाल को रहवासियों द्वारा दूरभाष के माध्यम से सीवर एवं पेयजल समस्या से अवगत करवाया गया। महापौर श्री टटवाल ने प्राप्त शिकायत पर रात्रि में ही वार्ड में पहुंच कर रहवासियों के साथ निरीक्षण किया एवं वहा की स्थिति को देखा तथा रहवासियों से चर्चा कर उन्हे आश्वस्त किया कि शीघ्र ही सीवर एवं पेयजल समस्या का समाधान किया जाएगा, इसके लिए पीएचई के अधिकारीयों को बुलाकर समस्या के संबंध में चर्चा कर निर्देशित किया कि वार्ड में जो समस्या है उसका सुक्ष्मता से निरीक्षण कर इसका निराकरण किया जाए।

लाड़ली बहना योजना में 60 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठ माताओं को भी सम्मिलित किया जाए- महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिख लाड़ली बहना योजना में 60 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठ माताओं को सम्मिलित किए जाने की मांग की गई है। महापौर श्री टटवाल ने पत्र में उल्लेख किया है कि आपके द्वारा मध्यप्रदेश में प्रारंभ की गई लाड़ली बहना योजना के प्रति हमारी माता-बहनों में अपार उत्साह देखा जा रहा है। इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए वास्तव में आप बधाई के पात्र हैं। किन्तु यह भी प्रकाश में आया है कि इस योजना का लाभ लेने से ऐसी वरिष्ठ माताएँ वंचित रह रहीं हैं जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है तथा जिनका नाम गरीबी रेखा की सूची में भी शामिल नहीं है। अतः विशेष अनुरोध है कि उक्त माताओं को भी इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्राप्त हो सके इस हेतु कृपया विचार करने का कष्ट करें।

शास. कालिदास कन्या महा. उज्जैन में स्नेह सम्मेलन स्पंदन-2023 का शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में स्नेह सम्मेलन ''स्पंदन-2023'' का शुभारंभ मंगलवार को शहर के प्रथम नागरिक महापौर श्री मुकेश टटवाल, एमआईसी सदस्य डॉ. योगेश्वरी राठौर, सांसद प्रतिनिधि एवं महाविद्यालय की पूर्व छात्रा श्रीमती रजनी नरवरिया, विधायक प्रतिनिधि एवं महाविद्यालय की पूर्व छात्रा श्रीमती भारती वर्मा एवं युवा प्रतिनिधि सोनल जोशी के आतिथ्य में हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती को दीप प्रज्जवलन कर हुई। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा दी गई। अतिथियों का स्वागत महा. की छात्रा सुश्री सपना माली द्वारा योगदीप प्रस्तुति के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती भारती वर्मा ने कहा कि गरजती है नारी तो इतिहास बदल देती है। युवा प्रतिनिधि श्रीमती सोनल जोशी के प्रेरक उद्बोधन मातृशक्ति ने जो कार्य किया है उससे वह सभी क्षेत्रों में अपना नाम रोशन कर रही है। नारी रक्षक, छात्रा रक्षक श्रीमती रजनी नरवरिया सांसद प्रतिनिधि ने अपने उद्बोधन में कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन को अपनी प्रेरणा बताया, एमआईसी सदस्य डॉ. योगेश्वरी राठौर ने छात्राओं को कदम से कदम मिलाकर स्वच्छता हेतु चलने के लिए आव्हान किया। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने अपने भाषण में नारी शक्ति को अधिकार दिलाने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का स्मरण किया। इस हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नारी शक्ति हेतु बहुआयमी कार्य एवं नई-नई योजनाएं प्रदान की है। आपने कहा कि सफलता भाषण इन पक्तियों के साथ समाप्त किया कि सफलता कभी पक्की नहीं होती और असफलता कभी अंतिम नहीं होती लेकिन हम इतनी मेहनत करें कि हमारी जीत का इतिहास बन जायें। आपने छात्राओं को प्रेरित किया कि पढ़ाई करें, खेलें और उज्जैन को स्वच्छ रखें। संकल्प लें कि निरक्षर को साक्षर बनाये, पौधे लगाये। प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए निवेदन किया कि हमे पूर्ण विश्वास है कि महापौर महाविद्यालय के विकास में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगें। इस अवसर पर आपने छात्राओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अंत में उच्च शिक्षा मंत्री, म.प्र. शासन, भोपाल डॉ. मोहन यादव की माताजी श्रीमती लीलाबाई यादव के निधन पर महाविद्यालय परिवार ने 2 मिनट का मौन रखकर श्रृद्धांजलि दी। डॉ. अरूणा दुबे ने अतिथि परिचय दिया। डॉ. हरीश व्यास के मार्गदर्शन में सुश्री कर्णगी ठाकुर एवं निधि जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार डॉ. कविता जैन ने माना। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार एवं छात्राएं उपस्थित थी।

अभिलाषा कालोनी की सीवर समस्या का होगा समाधान-महापौर टटवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड क्रमांक 54 स्थित अभिलाषा कॉलोनी में विगत कई वर्षो से सीवर समस्या का सामना करना पड रहा था। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने समस्या को संज्ञान में लेते हुए सोमवार को अभिलाषा कॉलोनी का निरीक्षण कर महापौर मद से 25 लाख की राशि स्वीकृत करते हुए अधिकारियों को सिवर लाईन डाले जाने की कार्य योजना बनाए जाने के निर्देश दिए। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा सोमवार को वार्ड क्रमांक 54 अभिलाषा कॉलोनी का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान रहवासियों द्वारा बताया कि विगत लंबे समय से सीवर लाइन की समस्या बनी हुई है उक्त समस्या का समाधान नहीं हो पाया, महापौर श्री टटवाल द्वारा उक्त समस्या को संज्ञान में लेते हुए महापौर मद से 25 लाख की राशि स्वीकृत कर अधिकारियों को सीवर लाईन की कार्य योजना बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया ताकि क्षेत्र के रहवासियों की इस समस्या का समाधान किया जा सके।महापौर श्री टटवाल द्वारा कॉलोनी का निरीक्षण करते हुए यह सामने आया कि अभिलाषा कॉलोनी के आस-पास कॉलोनाइजरो द्वारा कॉलोनी काटी गई है जिसमें पानी की निकासी का समाधान भी नहीं किया गया साथ ही विकास अनुमति भी अभी तक नहीं ली गई है तथा जो लेआउट डाला गया है उससे वहां का पानी भी अभिलाषा कॉलोनी की ओर आता है।

अमानक स्तर की पॉलिथिन विक्रय पर निगम ने की अब तक की बड़ी कार्यवाही

एक लाख का किया जुर्माना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिक निगम अमले द्वारा प्रतिबंधित पॉलिथिन का उपयोग नही करने के लिए निरंतर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनजागरण किया जा रहा है साथ अमानक स्तर की पॉलिथिन का भण्डारण एवं विक्रय करने पर कार्यवाही करते हुए जुर्माना किया जा रहा है। 04 मार्च को कमला टेऊर्ड्स के सूरज नगर, रंगबावडी स्थित गोदाम पर पॉलिथिन भण्डारण पर कार्यवाही करते हुए गोदाम सील किया गया था तथा दिनांक 14.03.2023 मंगलवार को कमला टेऊर्डस के जितेन्द्र पिता दीपक हेमनानी, 28 अलखधाम नगर, सांवेर रोड़ निवासी पर एक लाख का जुर्माना किया गया।

नगर निगम द्वारा विगत 04 मार्च को कमला ट्रेडर्स के सूरज नगर, रंगवाबड़ी स्थित गोदाम पर प्रतिबंधित पॉलिथिन पाई जाने पर कार्यवाही करते हुए उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता द्वारा गोदाम को सील किया गया था। 14 र्माच 2023 मंगलवार को उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 के तहत कमला टेऊर्ड्स के जितेन्द्र पिता दीपक हेमनानी, निवासी अलखधाम नगर, सांवेर रोड़ पर एक लाख का जुर्माना किया गया। उपायुक्त श्री संजेश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन शहर को पॉलिथिन मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है, निगम अमले द्वारा पॉलिथिन का उपयोग नही करने के लिए विभिन्न गतिविधियां करते हुए नागरिकों में जनजागरण किया जा रहा है साथ ही अमानक स्तर की पॉलिथिन का उपयोग, भण्डारण एवं विक्रय करने वालो पर लगातार चालानी कार्यवाही की जा रही है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **क्षिप्रा विहार** योजना के अंतर्गत आवासीय उपयोग के भूखण्ड क्रमांक **ई-1/27, श्रेणी एम-2** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्री चेतन उपाध्याय पिता श्री अरुण उपाध्याय निवासी- टी-4, ग्रीन पार्क कॉलोनी, ऋषि नगर उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 14/02/2023 के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उ.वि.प्रा. उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.) में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में या लिखित में मय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेजों तथा बकाया राशियों जमा होने पर आवदेन तथा दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी। तद्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **क्षिप्रा विहार** योजना के अंतर्गत आवासीय उपयोग के भूखण्ड क्रमांक **ई-2/15, श्रेणी एम-2** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **(1) श्री शैलेन्द्र सक्सेना पिता श्री शिवनारायण सक्सेना (2) श्रीमती मनोरमा सक्सेना पति श्री शैलेन्द्र सक्सेना निवासी - 4, कृष्णा रेसीडेंसी इंदौर मार्ग उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 08/02/2023 के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उ.वि.प्रा. उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.) में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में या लिखित में मय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेजों तथा बकाया राशियों जमा होने पर आवदेन तथा दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी। तद्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **व्यास नगर ऋषिनगर विस्तार** योजना के अंतर्गत आवासीय उपयोग के भूखण्ड **क्रमांक एम-147, श्रेणी** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **(1) श्रीमती राजश्री नीमा पति डॉ. राजकुमार नीमा (2) श्री डॉ. राजकुमार नीमा पिता श्री बंसीलाल नीमा निवासी- एम-147, व्यास नगर उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 13/02/2023 के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उ.वि.प्रा. उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.) में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में या लिखित में मय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेजों तथा बकाया राशियों जमा होने पर आवदेन तथा दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी। तद्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

मारवाड़ी माली समाज में पति पत्नी ने खेली होली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री क्षत्रिय मारवाड़ी माली समाज उर्दूपुरा में प्रतिवर्ष अनुसार 14 मार्च मंगलवार सिल सप्तमी को समाज के सदस्यों द्वारा केसरिया रंग से भरे कड़ाव पर होली का आयोजन किया गया जिसमें पति पत्नी ने एक साथ होली खेली। समाज अध्यक्ष लीलाधर भाटी बसवाले ने बताया कि सर्वप्रथम पुरुष समूह एक और खड़ा हुआ, दूसरी ओर महिलाओं का। माइक पर पुरुष के नाम की आवाज लगी, पुरुष द्वारा अपनी पत्नी को उन महिलाओं के समूह से खोज कर बहार निकाल कर कड़ाव पर लाया फिर दोनों पति पत्नी द्वारा होली खेली गई।

महिलाओं ने की मां शीतला की पूजा : मंदिरों में नजर आई लंबी कतारें

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले भर में मंगलवार को शीतला सप्तमी धूमधाम से मनाई गई। शीतला माता मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गई। महिलाओं में पारंपरिक परिधान में पूजा की थाल लिए मंदिर पहुंचे। अलसुह से ही शीतला माता मंदिरों में शीतला माता की पूजा अर्चना का दौर शुरू हुआ। शीतला माता की पूजा के लिए सुबह से ही महिलाओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। शहर के गणपति चौक, पुलिस लाइन, स्टेशन रोड, अभिनंदन नगर सहित नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाओं में माता पूजन किया। गणपति चौक क्षेत्र में लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं। शीतला माता को शीतल जल, कुमकुम, दूध, दही, हल्दी मेहंदी और चुनर चढ़ाई गई। वहीं, ठंडे पकवानों (बासोड़ा) का भोग लगाया गया।

जनसुनवाई में जूम एप वीसी से जुड़े सभी अधिकारी, कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड।कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने मंगलवार को जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनीं। कुछ समस्याओं का मौके पर निराकरण किया। जन सुनवाई के दौरान जिले के सभी अधिकारी जूम वीसी के माध्यम से जुड़े हुए थे। कुछ ऐसे मामले जो दूर के विकासखंड से संबंधित थे। कलेक्टर ने तुरंत संबंधित विकासखंड के एसडीएम, सीईओ, सीएमओ से जूम वीसी के माध्यम से संपर्क किया तथा मौके पर निराकरण करवाया। जन सुनवाई के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायत की समीक्षा भी विभागवार की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को संतुष्टि पूर्वक बंद करें। 100 दिवस एवं 50 दिवस वाली शिकायत का तुरंत निराकरण हो। सभी एसडीएम भी विकासखंड वार शिकायतों का समाधान करें। इन शिकायतों का समाधान के साथ सभी अधिकारी फीडबैक भी प्रदान करेंगे।

दूधाखेड़ी मंदिर की खुली दानपेटियां, 25 लाख 44 हजार का चढ़ावा प्राप्त

मंदसौर/भानपुरा/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के प्रसिद्ध आरोग्य धाम दुधाखेडी माताजी मंदिर के दान पात्रों को मंदिर समिति अध्यक्ष एस. डी.एम गरोठ रविंद्र परमार के आदेशनुसार मंदिर समिति सचिव तहसीलदार भानपुरा नागेश पँवार की उपस्थिति मे प्रभारी ग्राम पटवारी फूलचन्द जजावरा द्वारा खोले गए। मंदिर लेखापाल नरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि 14 मार्च को गणना कार्य प्रारंभ किया गया।गणना प्रातः काल 11 बजे से देर शाम तक चली। प्रथम दिन की गणना 25 लाख 44 हजार 500 रुपए रही गणना का कार्य राजस्व विभाग भानपुरा पटवारी गण, ग्रामो के कोटवार परमानंद शर्मा एवं मंदिर पुजारी घनश्याम नाथ, ए एस आई मांगीलाल चौहान, दिलीप तिवारी गणक श.कन्या. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा, मंदिर कर्मचारीयो,एवं बैंक कर्मचारियों दीपक व्यास, पंकज प्रजापति, द्वारा संपन्न किया गया। इस प्रकार कुल दान पात्र की। गणना राशी को सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा गरोठ कैशियर सुरेश पाल को सुपर्द किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर गणना कार्य की रिकार्डिंग सी.सी.टीवी. कैमरे के माध्यम से की गई। गणना बुधवार को भी जारी रहेगी।

जीजा-साले ने मिलकर चुराई 07 क्विंटल लहसुन, 8 घंटे में किया गिरफ्तार

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना पुलिस ने सात क्विंटल लहसुन चुराने के मामले में तत्परता से कार्य कर आरोपी जीजा-साले को पकड़ा है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार ग्राम लदूना में ओमप्रकाश सोनी के खेत से बीती रात 07 क्विंटल लहसुन चोरी हो गई थी। शिकायत पर आरोपी नितेश पिता संजय तैली उम्र 25 साल निवासी लदूना एवं दुर्गेश पिता पप्पूलाल तैली उम्र 20 साल निवासी कोटड़ा बहादूर थाना नाहरगढ़ को किया गिरफ्तार किया गया। इनकी निशादेही से लहसुन व तीन पहिया टेम्पो को बरामद किया गया।

15 से 31 मार्च तक जलकर वसूली एवं अवैध नल कनेक्शनों के नियमितीकरण हेतु शिविरों का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वा.यां. विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के साथ ही बकाया जलकर वसूली किये जाने एवं अवैध कनेक्शन का नियमितिकरण कर अवैध से वैध किये जाने की कार्यवाही हेतु 15 मार्च से 31 मार्च तक शहर के विभिन्न स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष के साथ साथ बकाया जलकर की वसूली की जावेगी तथा बकाया जलकर राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे जावेगे। शिविर में अवैध कनेक्शनो को नियमित किये जाने के साथ ही अवैध कनेक्शन वैध नहीं कराने वालों के कनेक्शन तत्काल विच्छेद किये जाकर उस पर होने वाला व्यय की वसूली की जाएगी।

सम्पादकीय

आस्कर पुरस्कारों में उपलब्धि की उड़ान

'आरआरआर' फिल्म के गीत 'नाटू-नाटू' को मिली कामयाबी के पीछे छिपी अहमियत का अंदाजा इसे देखते-सुनते हुए हो जाता है। नृत्य निर्देशन और गीत के शब्दों का संयोजन ऐसा प्रभाव पैदा करता है, जिसे देखते हुए आम दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो जाता है।

ऑस्कर्स में भारत की धूम एक नहीं दो-दो अवॉर्ड किए अपने नाम

इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सिनेमा की दुनिया में जितनी फिल्में भी बनी हैं, उनमें से कई को देश-विदेश में अलग-अलग मानकों पर बेहतरीन रचना होने का गौरव मिला। जहां तक वैश्विक स्तर पर सिनेमा के सबसे ऊंचा माने जाने वाले आस्कर पुरस्कारों का सवाल है, बहुत कम भारतीय फिल्मों को उसमें कुछ महत्त्वपूर्ण हासिल करने का मौका मिला। लेकिन पंचानबेवें अकादमी पुरस्कारों यानी आस्कर में भारत में बनी दो मुख्य कृतियों को जो उपलब्धि मिली है, वह निश्चित रूप से यहां के सिनेमा प्रेमियों के लिए खुश होने वाली बात है।

'द एलिफेंट विस्पर्स' को सबसे अच्छे लघु वृत्तचित्र का तमगा मिला

गौरतलब है कि इस साल आस्कर के लिए भारत की ओर से तीन फिल्मों ने मजबूत दावा पेश किया था। लेकिन इनमें दक्षिण भारत में बनी फिल्म 'आरआरआर' के एक गीत 'नाटु-नाटु' ने चयनकर्ताओं के सामने ऐसी स्थिति बनाई कि उसे सबसे अच्छे मौलिक गीत की कसौटी पर इस श्रेणी के पुरस्कारों के लिए नामांकित बाकी सभी प्रविष्टियों पर भारी माना गया। स्वाभाविक ही पहले ही काफी मशहूर हो चुके गीत 'नाटू-नाटू' को सबसे अच्छी मौलिक प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया। इस बार भारत को दूसरी बड़ी कामयाबी के तहत 'द एलिफेंट विस्पर्स' को सबसे अच्छे लघु वृत्तचित्र का तमगा मिला। हालांकि इसी श्रेणी में नामांकित 'आल दैट ब्रीद्स' को अपेक्षित उपलब्धि नहीं मिल सकी।

दरअसल, 'आरआरआर' फिल्म के गीत 'नाटू-नाटू' को मिली कामयाबी के पीछे छिपी अहमियत का अंदाजा इसे देखते-सुनते हुए हो जाता है। नृत्य निर्देशन और गीत के शब्दों का संयोजन ऐसा प्रभाव पैदा करता है, जिसे देखते हुए आम दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। इस बार खुश होने वाली दूसरी वजह 'द एलिफेंट विस्पर्स' का चुना जाना है, जिसे बेहतरीन लघु वृत्तचित्र की श्रेणी में दाखिल तमाम नामांकित फिल्मों से अच्छा माना गया। खासतौर पर 'स्ट्रेंजर ऐट द गेट' और 'हाउ डू यू मेजर अ ईयर' जैसी प्रविष्टियों के बजाय अगर इसे सर्वश्रेष्ठ माना गया तो इसके आधार हैं।

'द एलिफेंट विस्पर्स' तमिलनाडु के मुदुमलाई बाघ अभयारण्य में हाथी की देखभाल करने वाले एक भारतीय दंपति बोम्मन और बेल्ली के जीवन पर आधारित है, जिसमें कट्टूनायकन समुदाय की जीवन शैली से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को बेहतरीन तरीके से फिल्माया गया है। जाहिर है, इन दोनों कृतियों के असर को आस्कर के लिए पात्र मानने वाले चयनकर्ताओं ने भी महसूस किया हो और उसे इन श्रेणियों में दाखिल अन्य प्रविष्टियों में सबसे बेहतर माना होगा।

सच यह है कि आस्कर 2023 में भारत ने बेहतरीन सिनेमा के मामले में अपने स्तर पर एक अहम इतिहास दर्ज किया है। फिर भी यह अपने आप में एक सवाल है कि हर साल भारत में संख्या के लिहाज से करीब डेढ़ हजार फिल्में बनने के बावजूद उनमें से गिनती की कुछ फिल्मों को ही स्थायी महत्त्व की और वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हासिल कर पाने वाली कृतियों के रूप में दर्ज किया जाता है। इससे पहले भारतीय संदर्भों के साथ बनी 'स्लमडाग मिलियनेयर', 'गांधी' और 'लाइफ आफ पाइ' जैसी फिल्मों को आस्कर में अच्छी उपलब्धियां मिलीं थीं।

खासतौर पर 'स्लमडाग मिलियनेयर' में 'जय हो' गाने के लिए एआर रहमान को पुरस्कार मिला था, लेकिन यह भी तथ्य है कि इन फिल्मों को भारतीय निर्देशकों ने नहीं बनाया था। हो सकता है कि आस्कर में भारत के हिस्से कम उपलब्धियां आई हों, लेकिन दुनिया भर में इन पुरस्कारों को जिस स्तर का माना जाता है, उसमें कुछ हासिल करना बहुत बड़ी चुनौती होती है। अब इस बार की कामयाबी के बाद उम्मीद की जानी चाहिए वैश्विक स्तर पर टक्कर देने वाली कुछ बेहतरीन फिल्में भी बनेंगी।

प्रसन्न रहने की कला सिखाता है सहजयोग

प्रसादे सर्वदु:खानां हानिरस्योपजायले -प्रसन्नचेतसो व्याशु बुद्धि: पर्यवतिष्ठते।भगवद्गीता

अर्जुन -प्रश्न करते हैं योगी किसे कहा जाय? भगवान श्रीकृष्ण उत्तर देते हैं कि योगी सदा प्रसन्न रहता है, इस प्रसन्नता के कारण सब दु:खों से वह दूर रहता है और वही - प्रसन्नचित्तता उसे भौतिकता या बाह्य आडंबरों से निकालकर, अंर्तमुख बनाती है। और वह उस ध्यान में मग्न हो सकता है। प. पू. श्रीमाताजी द्वारा प्रणित सहजयोग आपको प्रसन्नता की कुँजी प्रदान करता है। हम जीवन मे जो भी कार्य करते हैं इसका प्रयोजन केवल आनंद ही है। उदाहरणार्थ आप पढ़कर नौकरी करना चाहते हैं, आनंद के लिये, जो कपड़े या और सभी चीजें खरीदते हैं, आनंद के लिये। परन्तु किसी भी पदार्थ व वस्तु से जो आनंद आप पाते हैं वो आनंद शाश्वत नहीं होता, क्षणिक होता है। आपको सहज योग में जब आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो पहले ही दिन आपको निर्विचार ध्यान मिलता है।। आपकी माँ स्वरूपिणी कुंडलिनी शक्ति आपको प्रेममयी चैतन्य लहरियां प्रदान करती है और अनायास ही आप दिन-प्रतिदिन आनंदी, प्रसन्नचित्त बनते जाते हैं। बाहरी मान-अपमान या सुख-दुख का आपके ऊपर प्रभाव नहीं पड़ता। आपका चित्त, स्थिर, शांत और एकाग्र हो जाता है। आप अपने विचारों व वाइब्रेशंस की तरफ तटस्थ भूमिका से देखने लगते हैं और धीरे-धीरे अपना चित्त सहस्त्रार पर स्थिर करने की दिव्य कला सीखते हैं। आप ध्यान करते नहीं आप ध्यान में होते हैं। ध्यान में रहने का मतलब है आप वर्तमान में जीते हैं, आपके पास जो अच्छा है, उसे प्रसन्नता से समाज को देने के लिये उत्सुक रहते हैं। विश्व के सभी सहजयोगियों की केवल एक ही शुद्ध इच्छा रहती है कि उन्हें सहजयोग के माध्यम से जो प्रसन्नता, स्थिरता व समाधान प्राप्त हुआ है, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जो सफलता प्राप्त हुई है वे सब सुख जगत में सभी को प्राप्त हों व शास्त्रों में वर्णित शाश्वत सत्य से सभी का साक्षात् हो सके। श्री माताजी प्रसन्नता की व्याख्या करते हुए कहती हैं कि, सहज योग में, आप समझ सकते हैं कि आपको धर्म में कितना आनंद मिलता है। आप दुनिया की सारी दौलत और ताकत एक तरफ रख सकते हैं, लेकिन धर्म से मिलने वाला सुख अमूल्य है। और सहजयोग हमें इसी वास्तविक आनंद के धर्म में स्थापित होना सिखाता है।

सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं - 1800 2700 800 बेवसाइट? - sahajayoga.org.in यूट्यूब चैनल - लर्निंग सहजयोगा प्रति शनिवार शाम :30 बजे।

दशा माता व्रत पूजा आज, जानें पूजा विधि

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

चैत्र कृष्ण की दशमी के दिन महिलाएं दशामाता का व्रत करती हैं। दशमाता व्रत मुख्यरूप से घर की दशा ठीक होने के लिए किया जाता है। माना जाता है कि जब मनुष्य की दशा ठीक होती है तब उसके सभी कार्य अनुकूल होते हैं, किंतु जब यह प्रतिकूल होती है तब मनुष्य को बहुत परेशानी होती है, इन्हीं परेशानियों से निजात पाने के लिए इस व्रत को करने की मान्यता है।

दशा माता पूजन विधि -

. दीवार पर स्वास्तिक बनाएं एवं मेहंदी अथवा सिंदूर से वही दस बिंदिया अंगुली से बना दें।

. पूजा सामग्री में रोली, मौली, सुपारी, चावल, दीप, नैवेद्य, धुप, अगरबत्ती लें। इस दिन महिलाएं कच्चे सूत का डोरा लाकर डोरे की कहानी कहती हैं।

. इसके लिए सूत का बना श्वेत धागा लें और उसमे गांठ लगा लें, इसके बाद उसे हल्दी में रंग लें। इस धागे को दशा माता की बेल कहते हैं। इसकी पूजा भी साथ में ही करें और डोरे में 10 गांठ लगाकर गले में बांध लें। इसे फिर पुरे साल कभी न उतारे। अगले वर्ष जब पुनः पूजा करें तो इसे उतारकर नए धागे की पूजा करके धारण करें।

. महिलाएं पीपल की पूजा कर 10 बार पीपल की परिक्रमा करते हुए उस पर सूत लपेटती हैं नियमानुसार दशा माता की पूजा एवं अर्चना करने से दशा माता की कृपा प्राप्त होती है। घर में सुख शांति व समृद्धि आती है। इस दिन कच्चे सूत का 10 तार का डोरा से भी पीपल की पूजा करती हैं।

. सुहागिन महिलाएं इस डोरे की पूजा के बाद पूजनस्थल पर नल-दमयंती की कथा सुनती हैं। इसके बाद महिलाएं अपने घरों पर हल्दी और कुमकुम के छापे लगाती हैं। इस दिन में एक ही बार अन्न ग्रहण करती हैं। जिसमें एक ही प्रकार के अन्न के प्रयोग का विधान है। भोजन में नमक का प्रयोग पूर्ण रूप से वर्जित माना जाता है। इस दिन प्रयोग किए जाने वाले अन्न में गेहूं का प्रयोग विशेष तौर पर किया जाता है। इस दिन घर की साफ-सफाई के लिए झाडू खरीदने का विधान है। दशमाता व्रत जीवनभर किया जाता है। इस व्रत का उद्यापन नहीं किया जाता है।

पूजा के लिए शुभ समय

इस दिन 14:04 से रात्रि 03:22 तक भद्रा और दशमी तिथि एक साथ समाप्त हो रहे हैं जिस के कारण सभी भक्तों में इस व्रत की पूजा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लेकिन यहां भद्रा का वास पाताल लोक में होने के कारण यह शुभ फल देने वाली रहेगी अतः इस अवधि में भी पूजन करना श्रेष्ठ रहेगा।

शुभ चौघड़िया -

चर, लाभ और अमृत के चौघड़िए में भी पूजन करना शुभ रहेगा। दशा माता व्रत है आज, जानिए व्रत की सरल विधि और पौराणिक कथा

यह व्रत चैत्र (चेत) माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को किया जाता है। सुहागिन महिलाएं यह व्रत अपने घर की दशा सुधारने के लिए करती हैं। इस दिन महिलाएं पूजा और व्रत करके गले में एक खास डोरा (पूजा का धागा) पहनती है ताकि परिवार में सुख-समृद्धि, शांति, सौभाग्य और धन संपत्ति बनी रहे। ग्रंथों के अनुसार, ये व्रत करने से सभी तरह की परेशानियों से बचा जा सकता है।

आओ जानते हैं व्रत की सरल विधि और दशा माता की पौराणिक कथा

जानिए व्रत की सरल विधि या पूजा

1. इस दिन कच्चे सूत का 10 तार का डोरा, जिसमें 10 गठानें लगाते हैं, लेकर पीपल की पूजा करती हैं। इस डोरे की पूजन करने के बाद कथा सुनती हैं। इसके बाद डोरे को गले में बांधती हैं।

2. इस दिन महिलाएं एक ही प्रकार का अन्न एक समय खाती हैं। भोजन में नमक नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से अन्न में गेहूं का ही उपयोग करते हैं।

3. दशा माता की पूजा पीपल के पेड़ की छांव में करना शुभ होता है और पीपल के आस-पास पूजा का धागा भी बांधा जाता है। पीपल की की पूजा से भगवान विष्णु की पूजा भी इस दिन हो जाती है।

नियम -यह व्रत एक बार रख लिया तो इसे जीवनभर किया जाता है और इसका उद्यापन नहीं होता है। इस व्रत को बीच में नहीं छोड़ सकते। ऐसा करना अशुभ माना जाता है। यदि सेहत संबंधी समस्या या और कोई समस्या हो तो उद्यापन करने के बाद इसे छोड़ सकते हैं।

इस व्रत में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। झाड़ू आदि खरीदने की परंपरा भी प्रचलित है। दशा माता का डोरा साल भर गले में पहना जाता है। लेकिन यदि दशा माता का डोरा साल भर नहीं पहन सकते हैं तो वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष में किसी अच्छे दिन खोलकर रखा जा सकता है। उस दिन व्रत करना चाहिए।

दशा माता व्रत की पौराणि कथा

दशा माता व्रत की प्रामाणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में राजा नल और दमयंती रानी सुखपूर्वक राज्य करते थे। उनके दो पुत्र थे। उनके राज्य में प्रजा सुखी और संपन्न थी। एक दिन की बात है कि उस दिन होली दसा थी। एक ब्राह्मणी राजमहल में आई और रानी से कहा- दशा का डोरा ले लो। बीच में दासी बोली- हां रानी साहिबा, आज के दिन सभी सुहागिन महिलाएं दशा माता की पूजन और व्रत करती हैं तथा इस डोरे की पूजा करके गले में बांधती हैं जिससे अपने घर में सुख-समृद्धि आती है। अत: रानी ने ब्राह्मणी से डोरा ले लिया और विधि अनुसार पूजन करके गले में बांध दिया।

कुछ दिनों के बाद राजा नल ने दमयंती के गले में डोरा बंधा हुआ देखा। राजा ने पूछा- इतने सोने के गहने पहनने के बाद भी आपने यह डोरा क्यों पहना? रानी कुछ कहती, इसके पहले ही राजा ने डोरे को तोड़कर जमीन पर फेंक दिया। रानी ने उस डोरे को जमीन से उठा लिया और राजा से कहा- यह तो दशा माता का डोरा था, आपने उनका अपमान करके अच?छा नहीं किया।

जब रात्रि में राजा सो रहे थे, तब दशा माता स्वप्न में बुढ़िया के रूप में आई और राजा से कहा- हे राजा, तेरी अच्छी दशा जा रही है और बुरी दशा आ रही है। तूने मेरा अपमान करने अच्छा नहीं किया। ऐसा कहकर बुढ़िया (दशा माता) अंतर्ध्यान हो गई।

अब जैसे-तैसे दिन बीतते गए, वैसे-वैसे कुछ ही दिनों में राजा के ठाठ-बाट, हाथी-घोड़े, लाव-लश्कर, धन-धान्य, सुख-शांति सब कुछ नष्ट होने लगे। अब तो भूखे मरने का समय तक आ गया। एक दिन राजा ने दमयंती से कहा- तुम अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके चली जाओ।

रानी ने कहा- मैं आपको छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगी। जिस प्रकार आप रहेंगे, उसी प्रकार मैं भी आपके साथ रहूंगी। तब राजा ने कहा- अपने देश को छोड़कर दूसरे देश में चलें। वहां जो भी काम मिल जाएगा, वही काम कर लेंगे। इस प्रकार नल-दमयंती अपने देश को छोड़कर चल दिए।

चलते-चलते रास्ते में भील राजा का महल दिखाई दिया। वहां राजा ने अपने दोनों बच्चों को अमानत के तौर पर छोड़ दिया। आगे चले तो रास्ते में राजा के मित्र का गांव आया। राजा ने रानी से कहा- चलो, हमारे मित्र के घर चलें। मित्र के घर पहुंचने पर उनका खूब आदर-सत्कार हुआ और पकवान बनाकर भोजन कराया। मित्र ने अपने शयन कक्ष में सुलाया। उसी कमरे में मोर की आकृति की खूंटी पर मित्र की पत्नी का हीरों जड़ा कीमती हार टंगा था।

मध्यरात्रि में रानी की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि वह बेजान खूंटी हार को निगल रही है। यह देखकर रानी ने तुरंत राजा को जगाकर दिखाया और दोनों ने विचार किया कि सुबह होने पर मित्र के पूछने पर क्या जवाब देंगे? अत: यहां से इसी समय चले जाना चाहिए। राजा-रानी दोनों रात्रि को ही वहां से चल दिए।

सुबह होने पर मित्र की पत्नी ने खूंटी पर अपना हार देखा। हार वहां नहीं था। तब उसने अपने पति से कहा- तुम्हारे मित्र कैसे हैं, जो मेरा हार चुराकर रात्रि में ही भाग गए हैं। मित्र ने अपनी पत्नी को समझाया कि मेरा मित्र कदापि ऐसा नहीं कर सकता, धीरज रखो, कृपया उसे चोर मत कहो।

आगे चलने पर राजा नल की बहन का गांव आया। राजा ने बहन के घर खबर पहुंचाई कि तुम्हारे भाई-भौजाई आए हुए हैं। खबर देने वाले से बहन ने पूछा- उनके हाल-चाल कैसे हैं? वह बोला- दोनों अकेले हैं, पैदल ही आए हैं तथा वे दुखी हाल में हैं। इतनी बात सुनकर बहन थाली में कांदा-रोटी रखकर भैया-भाभी से मिलने आई। राजा ने तो अपने हिस्से का खा लिया, परंतु रानी ने जमीन में गाड़ दिया।

चलते-चलते एक नदी मिली। राजा ने नदी में से मछलियां निकालकर रानी से कहा- तुम इन मछलियों को भुंजो, मैं गांव में से परोसा लेकर आता हूं। गांव का नगर सेठ सभी लोगों को भोजन करा रहा था। राजा गांव में गया और परोसा लेकर वहां से चला तो रास्ते में चील ने झपट्टा मारा तो सारा भोजन नीचे गिर गया।

राजा ने सोचा कि रानी विचार करेगी कि राजा तो भोजन करके आ गया और मेरे लिए कुछ भी नहीं लाया। उधर रानी मछलियां भूंजने लगीं तो दुर्भाग्य से सभी मछलियां जीवित होकर नदी में चली गईं। रानी उदास होकर सोचने लगी कि राजा पूछेंगे और सोचेंगे कि सारी मछलियां खुद खा गई। जब राजा आए तो मन ही मन समझ गए और वहां से आगे चल दिए।

चलते-चलते रानी के मायके का गांव आया। राजा ने कहा- तुम अपने मायके चली जाओ, वहां दासी का कोई भी काम कर लेना। मैं इसी गांव में कहीं नौकर हो जाऊंगा। इस प्रकार रानी महल में दासी का काम करने लगी और राजा तेली के घाने पर काम करने लगा। दोनों को काम करते बहुत दिन हो गए। जब होली दसा का दिन आया, तब सभी रानियों ने सिर धोकर स्नान किया। दासी ने भी स्नान किया।

दासी ने रानियों का सिर गूंथा तो राजमाता ने कहा- मैं भी तेरा सिर गूंथ दूं। ऐसा कहकर राजमाता जब दासी का सिर गूंथ ही रही थी, तब उन्होंने दासी के सिर में पद्म देखा। यह देखकर राजमाता की आंखें भर आईं और उनकी आंखों से आंसू की बूंदें गिरीं। आंसू जब दासी की पीठ पर गिरे तो दासी ने पूछा- आप क्यों रो रही हैं?

राजमाता ने कहा- तेरे जैसी मेरी भी बेटी है जिसके सिर में भी पद्म था, तेरे सिर में भी पद्म है। यह देखकर मुझे उसकी याद आ गई। तब दासी ने कहा- मैं ही आपकी बेटी हूं। दशा माता के कोप से मेरे बुरे दिन चल रहे है इसलिए यहां चली आई। माता ने कहा- बेटी, तूने यह बात हमसे क्यों छिपाई? दासी ने कहा- मां, मैं सब कुछ बता देती तो मेरे बुरे दिन नहीं कटते। आज मैं दशा माता का व्रत करूंगी तथा उनसे गलती की क्षमा-याचना करूंगी। अब तो राजमाता ने बेटी से पूछा- हमारे जमाई राजा कहां हैं? बेटी बोली- वे इसी गांव में किसी तेली के घर काम कर रहे हैं। अब गांव में उनकी खोज कराई गई और उन्हें महल में लेकर आए। जमाई राजा को स्नान कराया, नए वस्त्र पहनाए और पकवान बनवाकर उन्हें भोजन कराया गया।

अब दशा माता के आशीर्वाद से राजा नल और दमयंती के अच्छे दिन लौट आए। कुछ दिन वहीं बिताने के बाद अपने राज्य जाने को कहा। दमयंती के पिता ने खूब सारा धन, लाव-लश्कर, हाथी-घोड़े आदि देकर बेटी-जमाई को बिदा किया।

रास्ते में वही जगह आई, जहां रानी में मछलियों को भूना था और राजा के हाथ से चील के झपट्टा मारने से भोजन जमीन पर आ गिरा था। तब राजा ने कहा- तुमने सोचा होगा कि मैंने अकेले भोजन कर लिया होगा, परंतु चील ने झपट्टा मारकर गिरा दिया था। अब रानी ने कहा- आपने सोचा होगा कि मैंने मछलियां भूनकर अकेले खा ली होंगी, परंतु वे तो जीवित होकर नदी में चली गई थीं।

चलते-चलते अब राजा की बहन का गांव आया। राजा ने बहन के यहां खबर भेजी। खबर देने वाले से पूछा कि उनके हालचाल कैसे हैं? उसने बताया कि वे बहुत अच्छी दशा में हैं। उनके साथ हाथी-घोड़े लाव-लश्कर हैं। यह सुनकर राजा की बहन मोतियों की थाल सजाकर लाई। तभी दमयंती ने धरती माता से प्रार्थना की और कहा- मां आज मेरी अमानत मुझे वापस दे दो। यह कहकर उस जगह को खोदा, जहां कांदा-रोटी गाड़ दिया था। खोदने पर रोटी तो सोने की और कांदा चांदी का हो गया। ये दोनों चीजें बहन की थाली में डाल दी और आगे चलने की तैयारी करने लगे।

वहां से चलकर राजा अपने मित्र के घर पहुंचे। मित्र ने उनका पहले के समान ही खूब आदर-सत्कार और सम्मान किया। रात्रि विश्राम के लिए उन्हें उसी शयन कक्ष में सुलाया। मोरनी वाली खूंटी के हार निगल जाने वाली बात से नींद नहीं आई। आधी रात के समय वही मोरनी वाली खूंटी हार उगलने लगी तो राजा ने अपने मित्र को जगाया तथा रानी ने मित्र की पत्नी को जगाकर दिखाया। आपका हार तो इसने निगल लिया था। आपने सोचा होगा कि हार हमने चुराया है।

दूसरे दिन प्रातःकाल नित्य कर्म से निपटकर वहां से वे चल दिए। वे भील राजा के यहां पहुंचे और अपने पुत्रों को मांगा तो भील राजा ने देने से मना कर दिया। गांव के लोगों ने उन बच्चों को वापस दिलाया। नल-दमयंती अपने बच्चों को लेकर अपनी राजधानी के निकट पहुंचे, तो नगरवासियों ने लाव-लश्कर के साथ उन्हें आते हुए देखा।

सभी ने बहुत प्रसन्न होकर उनका स्वागत किया तथा गाजे-बाजे के साथ उन्हें महल पहुंचाया। राजा का पहले जैसा ठाठ-बाट हो गया। राजा नल-दमयंती पर दशा माता ने पहले कोप किया, ऐसी किसी पर मत करना और बाद में जैसी कृपा करी, वैसी सब पर करना।

15 मार्च 2023- आज किसे मिलेगा भाग्य का साथ, किन राशियों पर होगी शिवजी की कृपा, पढ़ें बुधवार का दैनिक राशिफल

मेष राशि

आज का भविष्य - विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

उपाय-आज रुद्राक्ष धारण करेंगे तो पैसे की कमी नहीं रहेगी।

शुभ अंक-8

शुभ रंग - सी ग्रीन

वृषभ राशि

आज का भविष्य - वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु-खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

उपाय-आज घर में गंगा जल छिड़केंगे तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-1

शुभ रंग-सिल्वर

मिथुन राशि

आज का भविष्य - आज धन का निवेश न करें। शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्त्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

उपाय-जातक दूध में केसर डालकर पीने से सेहत लाभ मिलेगा।

शुभ अंक-1

शुभ रंग-गुलाबी

कर्क राशि

आज का भविष्य - लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

उपाय-जातक आज सूर्य को जल चढ़ाएंगे तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-4

शुभ रंग-जामुनी

सिंह राशि

आज का भविष्य - रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

उपाय-आज जातक घर में नमक का पोछा लगाएं।

शुभ अंक-6

शुभ रंग-नीला

कन्या राशि

आज का भविष्य - अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

उपाय-जातक चावल खाने से बचेंगे तो ईश्वर की कृपा बनी रहेगी। शुभ अंक-3

शुभ रंग-मैरून

तुला राशि

आज का भविष्य - बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्त्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

उपाय-जातक आज चांदी का छल्ला पहनेंगे तो लक्ष्मी की कृपा बरसेगी।।

शुभ अंक-7

शुभ रंग-रायल ब्लू

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य - नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

उपाय-जातक आज घर के मंदिर की सजावट में पील रंग के कपड़े का इस्तेमाल करें।

शुभ अंक-9

शुभ रंग-गाढा लाल

धनु राशि

आज का भविष्य - बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

उपाय-जातक महिलाओं का सम्मान करें तो अच्छा रहेगा।

शुभ अंक-1

शुभ रंग-आसमानी

मकर राशि

आज का भविष्य - आज धन का निवेश न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

उपाय-जातक शिवाष्टक का जाप करें।

शुभ अंक-5

शुभ रंग-नीला

कुंभ राशि

आज का भविष्य - कष्ट, भय, चिता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें।

उपाय-आज जातक गौशाला में दान करेंगे तो लाभ होगा

शुभ अंक-2

शुभ रंग-हरा

मीन राशि

आज का भविष्य - भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

उपाय-आज ऊं नमो भगवते वासुदेवाय से अपना कल्याण करें।शुभ अंक-9

शुभ रंग-आरेंज

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।

बेमानी होती वैश्विक संस्थाएं

समझना होगा कि जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वैश्विक वित्तीय संकट, जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और युद्ध की स्थिति से निपटने के लिए वर्तमान वैश्विक शासन और संस्थाएं विफल हो चुकी हैं। प्रश्न यह है कि मानवता पर आसन्न संकटों से निपटने और दुनिया में खुशहाली लाने में जी-20 देशों द्वारा कितने सार्थक प्रयास होते हैंज

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा है कि आज दुनिया में बहुपक्षवाद संकट में है। लगभग यही बात विदेश मंत्री जयशंकर ने भी दोहराई है। गौरतलब है कि जब से भारत ने जी-20 देशों की अध्यक्षता संभाली है, दुनिया में वैश्विक संस्थाओं समेत कई मुद्दों पर चर्चा जोर पकड़ रही है। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात पहले द्वि-ध्रुवीय विश्व और बाद में अमरीका की अगुआई वाले एक-ध्रुवीय विश्व में भी वैश्विक संस्थानों की एक महती भूमिका मानी जाती रही है। संयुक्त राष्ट्र और उसके अंतर्गत आने वाली संस्थाएं दुनिया के संचालन की धुरी बनी रही। कहीं द्वंद्व अथवा संघर्ष हो या प्राकृतिक अथवा मानव जनित आपदा, दुनिया के मुल्क संयुक्त राष्ट्र की ओर ही देखते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ही नहीं, यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) आदि की दुनिया में एक विशेष भूमिका रही है। 1995 से पहले 'गैट' और उसके बाद विश्व व्यापार संगठन दुनिया के व्यापार को संचालित करने वाले नियमों के निर्माता के रूप में जाने जाते रहे हैं। लेकिन आज इन संस्थाओं और संस्थानों की कार्य पद्धति और वैश्विक नेतृत्व की उनकी क्षमता ही नहीं, उनकी नीयत पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। महामारी, वैश्विक संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग ही नहीं, दुनिया में बढ़ती खाद्य असुरक्षा और कई मुल्कों पर बढ़ते और असहनीय कर्ज के कारण इन संस्थाओं के माध्यम से वैश्विक गवर्नेंस पर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। यही स्थिति दुनिया में संप्रभुता संकट, असंतुलन, संघर्ष और द्वंद्व, स्वतंत्र राष्ट्रों के अस्तित्व के लिए भयंकर खतरा बन रही है।

- डा. अश्विनी महाजन

लाड़ली बहना योजना 2023 के क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण दिया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर दिनेश जैन के निर्देशानुसार महिला बाल विकास विभाग, पंचायत ग्रामीण विकास विभाग, एवं नगरी निकाय द्वारा संयुक्त रूप से लाडली बहना योजना के संबंध में ब्लॉक शाजापुर के पटवारी, वार्ड प्रभारी नगर पालिका, सचिव ग्राम रोजगार सहायक, पर्यवेक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण गांधी हाल में आयोजित किया गया।

इस दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी संतोष टैगोर द्वारा लाड़ली बहना योजना 2023 के क्रियान्वयन के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले को एकजुट होकर कार्य करने तथा पात्र महिलाओं का चिन्हांकन, महिलाओं का आधार केवायसी, समग्र केवायसी इत्यादि कार्यों को मिलकर करने के बारे में निर्देश दिए गए। जिला कार्यक्रम अधिकारी नीलम चौहान ने लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के लिए योजना के आवेदन प्राप्त करने की तिथि से पूर्व मैदानी अमले को संभावित पात्र महिलाओं की समग्र आई.डी एवं आधार की केवायसी करवाने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान ई दक्ष केंद्र जिला प्रशिक्षक प्रकाशगिरी गोस्वामी द्वारा पीपीटी के माध्यम से लाड़ली बहना योजना-2023 के बारे में दिशा-निर्देश, योजना के तहत आवेदन प्राप्त करने से पूर्व तथा पश्चात अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से बताया। परिवीक्षा अधिकारी बीके गुप्ता द्वारा योजना के संबंध में प्रतिभागियों की जिज्ञासा एवं प्रश्नों का समाधान किया गया। कार्यक्रम का संचालन परियोजना अधिकारी शाजापुर नेहा चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारीएच.एल वर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से फैज़लअली जाफरी, नगर पालिका की ओर से विजेंद्र गोस्वामी उपस्थित थे।

501 दीपों से सुसज्जित होगा श्रीसिद्धाचल वीरमणी तीर्थधाम

आदिनाथ जन्मकल्याणक पर होंगे विभिन्न धार्मिक आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्मकल्याणक आज नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर जैन समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तीर्थ सेवा समिति प्रमुख मंगल नाहर ने बताया कि भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में सर्वप्रथम आचार्य वीररत्न भक्त मंडल द्वारा पूज्य जैनाचार्य श्रीमद्विजय वीररत्न सूरीश्वरजी महाराजा की शुभ प्रेरणा से निर्मित श्रीसिद्धाचल वीरमणी तीर्थधाम पर सुबह 9 बजे दादा आदिनाथ का भव्य शक्रस्तव महाभिषेक किया जाएगा। इसके उपरांत दोपहर 2 बजे से ट्रस्ट मंडल द्वारा पांच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान सेवा देने वाले समस्त समितियों के सदस्यों का बहुमान किया जाएगा। शाम को 6 बजे युवक महासंघ के तत्वावधान में नगर की श्रीभीमघाट सेवा समिति के सदस्यों द्वारा 501 दीपों से तीर्थधाम को रोशन किया जाएगा। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे से लोकेन्द्र नारेलिया भक्ति मंडल द्वारा रंगारंग भक्ति के साथ प्रभु की महाआरती की जाएगी।

फिर बरसेंगे बादल, फिलहाल तपा रही गर्मी

आसमान में लगने लगा बादलों का डेरा, आज से 20 तक बारिश के आसार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ दिन पहले बारिश और ओलावृष्टि झेल चुके शहरवासियों पर एक बार फिर बारिश के बादल मंडराने लगे हैं। कुछ दिनों पूर्व हुई बारिश के बाद यह सिलसिला जरूर थम गया था। इसके बाद मौसम में ठंडक घुल गई थी। लेकिन मौसम विभाग द्वारा आज से फिर बारिश की संभावना जताई जा रही है।

धुलेंडी पर हुई बारिश के बाद आसमान विदा हो चुके थे और आसमान भी साफ हो चुका था। इसके बाद से लगातार तापमान में वृद्धि हो रही थी। लेकिन सोमवार शाम से ही मौसम के तेवर फिर बदलने लगे हैं। सोमवार रात में भी हवाओं के साथ आसमान पर बादलों की चहल कदमी जारी थी। तो मंगलवार सुबह से भी आसमान को बादलों ने घेर रखा था। लेकिन कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया और तीखी धूप ने गर्मी का एहसास कराया। लेकिन मौसम विभाग की माने तो आज से फिर मौसम में बदलाव होगा और बारिश की भी संभावना है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आज से आसमान पर हल्के व मध्यम बादल छाएंगे। उन्होंने बताया कि आज हल्की बारिश की संभावना है। वहीं आगामी 17 व 18 मार्च को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है और यह सिलसिला आगामी 20 मार्च तक जारी रह सकता है।

ज्यादा बारिश बन सकती है मुसीबत

मौसम विभाग द्वारा हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई जा रही है। यदि हल्की बारिश होती है तो फसलों को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन यदि इससे ज्यादा बारिश हुई तो फसलों पर संकट छा सकता है। क्योंकि कई लोगों ने तो अपनी फसल खेतों से निकाल ली है, लेकिन कई किसानों की फसल पककर खेतों में तैयार खडी है। यदि ऐसा हुआ तो किसानों के लिए मुसीबत खड़ी हो सकती है।

शाजापुर पहुंची रैपिड एक्शन फोर्स

एसपी से की मुलाकात, परिचय अभ्यास की की शुरूआत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रैपिड एक्शन फोर्स मंगलवार को शाजापुर पहुंची, जहां उन्होंने एसपी जगदीश डावर से मुलाकात कर जिले के बारे में जानकारी जुटाई। ताकि उन्हें जिले की जानकारी मिल सके। इसके बाद अपने अभियान के तहत फोर्स के लोग शुजालपुर रवाना हो गए।

आरआई विक्रमसिंह भदौरिया ने बताया कि मंगलवार को रैपिड एक्शन फोर्स डिप्टी कमांडेंट द्वारा एसपी श्री डावर से भेंट कर जिले में अपने परिचय अभ्यास की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रेपिड एक्शन फोर्स द्वारा 20 मार्च तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भ्रमण किया जाएगा। रेपिडेक्शन फोर्स का परिचय अभ्यास शाजापुर एसपी से मुलाकात के बाद शुजालपुर से शुरू हुआ है। शुजालपुर के सिटी और मंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत उनके द्वारा भ्रमण किया गया। श्री भदौरिया ने बताया कि यह परिचय अभ्यास इसलिए होता है कि भविष्य में अगर किसी प्रकार की घटना दुर्घटना सांप्रदायिक घटना कुछ भी होता है और रैपिड एक्शन फोर्स की आवश्यकता पड़ती है तो वह बिना किसी पूछताछ के सीधे संबंधित थाना क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। क्योंकि परिचय अभ्यास के दौरान उनके पास क्षेत्र की समस्त जानकारी भौगोलिक स्थिति, राजनीतिक परिदृश्य, अपराधों की स्थिति आदि सभी के बारे में जानकारी होती है तो वह तुरंत वहां पर व्यवस्था संभाल लेते हैं। शाजापुर जिले में उनका प्रोग्राम जारी हो चुका है। उन्होंने बताया कि परिचय अभ्यास में करीब 70 अधिकारी कर्मचारी शामिल है

क्या है रैपिड एक्शन फोर्स....

आरएएफ अर्थात रैपिड एक्शन फोर्स एक विशेष फोर्स है जिसे अक्टूबर 1992 में सीआरपीएफ के 10 स्वाधीन बटालियन को परिवर्तित करके बनाया गया था। जिन्हें दंगों, दंगों जैसी उत्पन्न स्थितियों, समाज के सभी वर्गों के बीच विश्वास पैदा करने और आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी के लिए गठित किया गया था। आरएएफ सबसे विश्वसनीय फोर्स है जो बिना समय गंवाए संकट की स्थिति उत्पन्न होने पर स्थल पर पहुंच जाती है और सामान्य जनता के बीच पहुंच उन्हे सुरक्षित करती है और उनमें विश्वास पैदा करती है कि उनकी सुरक्षा के लिए कोई है।

शासकीय कर्मचारी घोषित करने सहित अन्य मांगों को लेकर कोटवारों की हड़ताल पांचवे दिन भी जारी

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के आव्हान पर जिलेभर के कोटवार अनिश्चतकालीन हड़ताल पर बैठे हुए है। हड़ताल को आज पांच दिन हो चुके है, लेकिन कोई सुध लेने वाला नही है। जिलाध्यक्ष अम्बाराम मालवीय ने बताया मप्र कोटवार संघ के आह्वान पर यह हड़ताल की जा रही है। प्रतिदिन जिलेभर से कोटवार एबी रोड मण्डुक पुष्कर स्थित धरना स्थल पर बैठकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे है। आंदोलन 17 मार्च तक जारी रहेगा। इस दिन वह अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन देंगे। कोटवारों की मांग है कि प्रदेश के सभी कोटवारों को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए और कलेक्टर रेट पर वेतन दिया जाए। सेवा भूमिधारी कोटवारों को भूमि स्वामी का स्वत्व दिया जाए। शहरी क्षेत्र में कोटवार का पद समाप्त नहीं किया जाए और गांव में भी एक गांव में एक से अधिक कोटवार पद होने की स्थिति में अतिरिक्त पद को जारी रखा जाए। राजस्व विभाग में रिक्त पदों पर योग्यता के आधार पर पूर्व से कार्यरत कोटवारों को नियुक्ति में प्राथमिकता दी जाए। मांगे नहीं मानी जाने पर 20 मार्च को भोपाल में भूख हड़ताल और आमरण अनशन किया जाएगा। हड़ताल के दौरान जिला उपाध्यक्ष विजय देवड़ा, मदन पवार, जिला कोषाध्यक्ष नागुलाल पचलानिया, जिला सचिव संतोष शर्मा, मुख्य जिला सलाहकार

मिलावट से मुक्ति अभियान के अंतर्गत खाद्य पदार्थों की जांच

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मिलावट से मुक्ति अभियान के अन्तर्गत जिले में दूध एवं दूध से बने खाद्य पदार्थों के नमूना एवं निरीक्षण की कार्यवाही का अभियान सतत जारी है। अभियान अन्तर्गत मिल्क कलेक्शन सेंटर-मस्ताना दूध डेयरी मक्सी से दूध एवं अनिक मिल्क प्रॉडक्ट प्रायवेट लिमिटेड शाजापुर से दूध का लीगल नमूने लिए गए। साथ ही कटारिया किराना स्टेशन रोड शाजापुर से अशोक घी एवं अरिहंत घी के सर्विलेंस नमूने लिए गए। इस प्रकार कुल 02 लीगल एवं 02 सर्विलेंस मेनुअल नमूने लिए गए।

बूथ विस्तारक अभियान 2.0 का शुभारंभ

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड।भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ विस्तारक अभियान 2.0 का शुभारंभ किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने हाटपिपल्या विधानसभा के क्षिप्रा में वार्ड 29 के बूथ क्रमांक 32 से अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के दौरान जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल ने प्रातः 11.30 बजे हितग्राही संपर्क अभियान में शामिल होकर हितग्राहियों को संबोधित किया। जिलाध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने बताया कि 10 दिनों तक चलने वाले अभियान में देवास जिले के सभी शक्ति केंद्रों पर विस्तारक मौजूद रहेंगे और जो 22 प्रकार के काम पार्टी संगठन ने तय किए हैं, उन्हें पूरा करेंगे। बूथ विस्तारक अभियान-2 में बूथ समिति की समीक्षा एवं गठन कर पन्ना प्रमुख एवं पन्ना समिति बनाई जाएंगी। हितग्राहियों से संपर्क और पार्टी की पन्ना समिति से जोड़ने का काम भी करेंगे। प्रत्येक बूथ पर की वोटर्स का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। हर बूथ पर एक हितग्राही, महिला, युवा प्रमुख की नियुक्ति की जाएगी। इस दौरान जिला प्रभारी मधु वर्मा, मंडल प्रभारी विकास गिरी, मंडल अध्यक्ष विश्वास उपाध्याय सहित बूथ अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे।

सप्तमी पर शीतला माता को लगाया ठंडे पकवानों का भोग

अलसुबह से मंदिरों में लगी महिलाओं की कतार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मंगलवार को शीतला सप्तमी का पर्व मनाया गया और शीतला माता के मंदिरों में महिलाओं की लंबी-लंबी कतारें सुबह 4 बजे से ही लग गई। जहां महिलाओं ने माता का पूजन कर उन्हें ठंडे पकवानों का भोग लगाकर सुख-समृद्धि की कामना की।

बता दें कि शीतला सप्तमी के दिन यह पर्व मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर महिलाएं रात में ही माता के लिए भोग बनाती है और सुबह पूजा कर ठंडा भोग लगाती है। साथ ही अपने परिवार सहित सभी यह भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार शीतला सप्तमी पर महिलाएं अपने बच्चों व परिवार को बीमारियों से बचाने के लिए यह व्रत व पूजन करती है। वह अपने परिवार व बच्चों की सुख समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामनाएं करती है।

पुलिस को मिली सफलता, रंगपंचमी पर तहसीलदार के घर में चोरी करने वाला चोर धराया, राशि जब्त

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। रंगपंचमी के दिन तहसीलदार पूनम तोमर के निवास पर हुई चोरी के चलते चर्चाओं का दौर शुरू हो गया था कि जब अधिकारी वर्ग का घर सुरक्षित नहीं तो आम लोगो के घर कितने सुरक्षित होंगे,लेकिन पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में चोर को धर दबोचा और अभी चर्चाओं को विराम दिया।

प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि 11 मार्च को फरियादी रणजीत कुमार जैन पिता महावीर प्रसाद जैन निवासी जी-64 सिविल लाईन देवास ने आकर बताया कि मेरी पत्नी पूनम तोमर देवास में तहसीलदार के पद पर पदस्थ है। सिविल लाईन क्षेत्र में बने शासकीय आवास गृह मे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा दिनदहाडे मकान का ताला तोडक़र अलमारी में रखे नगदी रूपये लेकर चला गया। उक्त घटना की सूचना मिलते ही तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली पवन यादव अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे एवं उक्त घटना की सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। फरियादी की सूचना पर से थाना कोतवाली पर अपराध क्रमांक 224/2023 धारा 454, 380 भादवि का अपराध पंजीबंद कर विवेचना में लिया। प्रकरण की गंभीरता को देखते पुलिस अधीक्षक देवास द्वारा तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में 4 विशेष टीमों का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की गई एवं घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग को देखा गया। तकनीकी एवं सीसीटीवी कैमरे के विडियो फुटेज के आधार पर चंद घंटो में आरोपी की पहचान की जा सकी।आरोपी द्वारा सुने मकान की रैकी कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था।

घटना को अंजाम देने वाला आरोपी मनोहर पिता मांगीलाल सेन उम्र 40 साल हाल उज्जैन का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के पास से नगदी 90000/- 1 टामी, 1 पेचकस, चोरी के दौरान पहने कपड़े जब्त किये है।

उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी कोतवाली उनि पवन यादव, उनि राहुल पाटीदार उनि धन सिंह पंवार, सउनि ईश्वर- मंडलोई प्रआर पवन पटेल, सुनील देथलिया, और उदयप्रताप सिंह चौहान, नवीन देथलिया, मातादीन धाकड़, शिव वसुनिया, सायबर सेल प्रसार सचिन चौहान एवं शिवप्रताप सिंह सेंगर की सराहनीय योगदान रहा है।

एचआईवी - एड्स संक्रमित व्यक्तियों हेतु 1 दिवसीय सामाजिक सुरक्षा योजना का आयोजन एआरटी केंद्र जिला चिकित्सालय में किया गया

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई जिला देवास (डापकु) द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एम.पी. शर्मा की अध्यक्षता एवं डॉ. शिवेन्द्र मिश्रा जिला एड्स नोडल अधिकारी की मार्गदर्शन तथा डॉ. बी. आर. शुक्ला नोडल अधिकारी एआरटी की उपस्थिति में एआरटी केन्द्र देवास में सामाजिक सुरक्षा योजना हेतु 1 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया ।

इस कैंप का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य जिले के एचआईवी संकमित महिला / पुरुष / बच्चों व पीएलएचआईवी के साथ जीवन जी रहे लोगो के साथ उनके परिवार को समाज व विभिन्न विभागों में चल रही शासन की योजनाओं की जानकारी व लाभ प्रदान कराना तथा समाज में कलंक व भेदभाव से दूर कराने हेतु जागरूकता फैलाना है । सर्वप्रथम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एमपी शर्मा द्वारा माँ सरस्वती की पुजा अर्चना कर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर डापक जिला देवास के सहयोग से एचआइवी एवं टीबी को इन्फेक्टेड 20 व्यक्तियों को निक्षय मित्र अंतर्गत खाद्यान किट का वितरण किया गया एवं एआरटी केन्द्र द्वारा शिविर में उपस्थिति महिला पीएलएचआईवी को सेन्ट्री पेड का वितरण कर हेल्थ इन हाईजिन की जानकारी दी गई इस अवसर पर डॉ. शिवेन्द्र मिश्रा जिला नोडल अधिकारी एडस कार्यक्रम एवं डॉ. बी.आर.शुक्ला नोडल अधिकारी एआरटी द्वारा शिविर का उद्देश्य बताते हुये शासकीय विभागों से उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों एवं हितग्राहियों को जिले में संकमित व्यक्तियों एवं एआरटी ले रहे व्यक्तियों की संख्यात्मक जानकारी दी गई ।

शिविर में उपस्थित नगर निगम, शिक्षा विभाग से उपस्थित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर जीपी खरे जिला आईसीटीसी सुपरवाइजर द्वारा 95-95-95 के बारे में बताते हुवएचआईवी एड्स प्रवेशन कन्ट्रोल एक्ट 2017 की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए शासकीय योजनाओं तथा पीएलएचआईवी को उपलब्ध कराई गई योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए डापकू सिंगल विडों की जानकारी दी गई।

दोपहर भोजन पश्चात डापकू एआरटी विहान, अधिकारी / कर्मचारियों द्वारा एचआईवी संक्रमित एवं एचआईवी के साथ जी रहे व्यक्तियों के शासकीय योजनाओं के आवेदन भरवाकर जमा करवाये गये। शिविर में पीएलएचआईवी डापक एआरटी, सुभिषा, श्वेतना टीआई एवं नगर निगम, शिक्षा विभाग के अधिकारी / कर्मचारीगण लगभग 75 प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज की गई। अंत में डॉ प्रतिभा श्रीवास्तव मेडिकल आफिसर एआरटी केन्द्र देवास द्वारा शिविर में उपस्थित सभी अधिकारियो एवं हितग्राहियों का आभार व्यक्त किया गया।

जनसुनवाई में आवेदकों ने कलेक्टर को बताई समस्याएं, त्वरित निराकरण करने के अधिकारियों को दिये निर्देश

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड।जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपने आवेदन कलेक्टर श्री गुप्ता के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम श्री महेंद्र सिंह कवचे, एसडीएम श्री प्रदीप सोनी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि भूमि का नक्शा सही करवाया जाए

आवेदक तंवर सिंह पिता चंदर सिंह निवासी ग्राम जलोदिया ने बताया कि उसकी कृषि भूमि का नक्शा सही नहीं है। भूमि का नक्शा सही नहीं होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भूमि का नक्शा की त्रुटियों को सही करवाया जाए।

पैतृक संपत रन भूमि में नाम जुड़वाया जाए

आवेदिका लीलाबाई पति स्व. सत्यनारायण देशवाली निवासी ग्राम भैसून तहसील सतवास ने बताया कि उसके पति की मृत्यु हो गई। लेकिन उनकी पैतृक जमीन एवं अन्य संपत्ति में उसका नाम नहीं है। उसका नाम पैतृक संपत्ति में जुड़वा जाए।

आवेदक राहुल गांगुली निवासी दिग्गी राजा नगर लोहार पीपल्या ने बताया कि उसका पुत्र अर्पित गांगुली ग्राम क्षिप्रा के निजी स्कूल में पढ़ता है। उसका एडमिशन आरटीई के तहत हुआ। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन द्वारा अतिरिक्त चार्ज लिया जा रहा है।

कांग्रेस ने की मुआवजे की मांग-कार्यकर्ताओं ने कहा- ओलावृष्टि और बारिश से फसलें हुई खराब, मुख्यमंत्री जी जल्दी करो अनावारी

पचौर/हेमन्त कजमार शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले दिनों ओलावृष्टि और बारिश से क्षेत्र के किसानों की फसलें खराब हो गई हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद आनन फानन में प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के भी दौरे हुए, लेकिन एक सप्ताह में भी अनावारी सर्वे के लिए टीम गठित नहीं की गई। सर्वे के लिए टीम गठन कि मांग और मुआवजा के साथ बीमा को लेकर बड़ी मात्रा में ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार दोपहर पचोर तहसील पहुंचकर नारेबाजी की और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश शर्मा के नेतृत्व में पचोर तहसील पहुंचकर कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। उन्होंने तहसीलदार सौरभ वर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोंपते हुए कहा कि आगामी सात दिन में टीम गठित कर सर्वे नहीं करवाया और समय रहते मुआवजा नहीं तय किया, तो सात दिन के बाद पचोर तहसील के सामने धरना दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी अनावारी जल्दी करो

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार से कहा कि खेतों में खड़ी फसलें बिछ गई, जिसमें गेंहूं, धनिया, मसूर सहित संतरे की फसलों में भारी नुकसान हुआ। इस प्राकृतिक आपदा में किसान सरकार से उम्मीद लगाए बैठे हैं। मुख्यमंत्री जी अनावारी जल्दी करो वरना हमें आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा । इस अवसर पर महिला नेता नीलू दुबे, देवेन्द्र पाराशर, सीताराम लहरी, रोशन खत्री, बनवारी मालवीय, अमित बंसल, रामबाबू गुर्जर राजेन्द्र जाट सुनील नागर कला महेश मालवीय मुकेश मेघवाल,आनंद मेहता सुभम शर्मा पंडित हेमन्त शर्मा दीपक सिसोदिया सुनील नागर, रीना मालवीय, सुधीर गुप्ता राधेश्याम सोमतिया गिरिराज रजक सहित बड़ी मात्रा में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रामनवमी पर पथराव करने वाला यासीर 1 वर्ष के लिए जिला बदर

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर अंजुमन नगर खरगोन के यासीर पिता कल्लु उर्फ इब्राहिम को 1 वर्ष की कालावधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए है। जारी आदेश में यासीर आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहकर आमजनों के साथ धारधार हथियारों से वार करने, सार्वजनिक स्थानों परं गालियां देने, जान से मारने, हत्या का प्रयास करने जैसे अपराध घटित करने का आदी है। इसके अलावा यासीर पर ही 10 अप्रैल 2022 को रामनवमी पर निकले जुलूस पर तालाब चौक में साथियों के साथ मिलकर पथराव करने का अपराध भी भादवि की धाराओं में पंजीबद्ध है।

मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए आयोजित होंगे निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर मक्सी द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 15 मार्च को पिपलरावा, 17 मार्च को भौंरासा, 19 मार्च को गंधर्वपुरी और 21 मार्च को टोंकखुर्द में »»गरीबी रेखा से नीचे निर्वाह करने वाले नेत्र रोगियों का होगा निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एमपी शर्मा ने बताया की देवास जिले को मोतियाबिंद मुक्त बनाने के लिए मार्च माह में जिले में मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर मक्सी द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 15 मार्च को पिपलरावा, 17 मार्च को भौंरासा, 19 मार्च को गंधर्वपुरी और 21 मार्च को टोंकखुर्द में आयोजित किए जायेंगे। इसी प्रकार चोईथराम नेत्रालय द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर 14 और 27 मार्च को कांटाफोड़, 16 और 29 मार्च को कन्नौद, 22 मार्च को सतवास, 24 मार्च को पानीगांव में आयोजित किए जा रहे। जांच उपरांत चिन्हित मरीजों का निश्शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किए जायेंगे। अधिक से अधिक लोग इन निःशुल्क शिविरों का लाभ लेंवे।

सिविल सर्जन सह जिला नोडल राष्टीय अंधत्व निवारण राष्टीय कार्यक्रम डॉ एस.के खरे ने बताया कि राष्टीय अंधत्व निवारण के राष्टीय कार्यक्रम अंतर्गत एन.ए.बी.एच. मान्यता प्राप्त नेत्र चिकित्सालय चोईथराम नेत्रालय और मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर मक्सी जिसमें अत्याधुनिक उपकरण एवं अनुभवी नेत्र चिकित्सक द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन किये जा रहे है। जिले में निःशुल्क नेत्र अभियान आयोजित कर गरीबी रेखा से नीचे निर्वाह करने वाले नेत्र रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन समस्त दवाईयाँ, चश्में एवं समस्त फॉलोअप निःशुल्क किये जाते है।

आजादी का अमृत महोत्सव" अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम एवं सरकार की कल्याणकारी कार्यक्रमों पर केन्द्रित प्रदर्शनी आयोजन

प्रदर्शनी का शुभारंभ 15 मार्च को मल्हार स्मृति मंदिर देवास में होगा, 17 मार्च तक आयोजित होगी प्रदर्शनी

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, के केन्द्रीय संचार व्यूरो इंदौर द्वारा देवास में आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम एवं सरकार की कल्याणकारी कार्यक्रमों पर केन्द्रित तीन दिवसीय मल्टी मीडिया प्रदर्शनी लगाई जा रही है। यह प्रदर्शनी देवास स्थित मल्हार स्मृति मंदिर प्रांगण में लगाई जा रही है। जिसका शुभारभ्भ 15 मार्च 2023 को प्रातः 11.30 होगा।

इस दौरान प्रश्न मंच, परिचर्चा, देशभक्ति गीत प्रतियोगिता के साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। केन्द्रीय संचार ब्यूरो के प्रचार अधिकारी दिलीपसिंह परमार ने बताया कि प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम की गाथा के साथ ही केन्द्र सरकार के 8 साल सुशासन सेवाकाल के अर्न्तगत प्रमुख कल्याणकारी कार्यक्रमों को बताया गया है। यह प्रदर्शनी 17 मार्च तक चलेगी। प्रतिदिन यह प्रदर्शनी प्रातः 11 बजे से शाम 8 बजे तक खुली रहेगी।

सेल्फ एडवोकेट्स फोरम ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

21 राज्यों के 300 से अधिक सेल्फ एडवोकेट एवं उनके प्रशिक्षको ने की भागीदारी

नागदा/दैनिक मालवा हेराल्ड। बौद्धिक दिव्यांगजनों के संगठन सेल्फ एडवोकेट्स फोरम ऑफ इंडिया (साफी) का सातवां दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को दिव्यान्गजन शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, श्वन्नष्ट, वाशी, नवी मुंबई में संपन्न हुआ।

बौद्धिक दिव्यांगजनों के अभिभावकों के परिसंघ के राष्टीय अध्यक्ष एवं स्नेह संस्थापक पंकज मारू ने जानकारी देते हुए बताया कि साफी के राष्टीय समन्वयक श्री पी.एस. बुरडे, मुंबई के मार्गदर्शन में साफी संगठन देश भर में बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग व्यक्तियों का एकमात्र पंजीकृत संगठन है जो देश के 31 राज्यों में परिवार के माध्यम से बौद्धिक दिव्यांग जनों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहा है।अधिवेशन का आयोजन परिवार, सीबीएम, राष्टीय बौद्धिक दिव्यांग जन सशक्तिकरण संस्थान, दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार, और नवी मुंबई महानगर पालिका के सहयोग से किया गया 7 2 दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. सारा वर्गीस मैनेजिंग ट्रस्टी सीबीएम इंडिया, सुश्री अदिति वर्मा, राष्टीय अध्यक्ष साफी, शिवा श्रेष्ठ, एशिया पैसिफिक प्रतिनिधि इंक्लूजन इंटरनेशनल, डॉ. योगेश दुबे, अध्यक्ष भारतीय विकास संस्थान, डॉ. रवि प्रकाश सिंह, प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र, नीपिड मुंबई तथा आनंद मेहता, मोटिवेशनल स्पीकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ वर्गीस ने द्वारा बौद्धिक दिव्यांगजनों की आजीविका को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बनाने और उनके सशक्तिकरण में सीबीएम की प्रतिबद्धता को दोहराया। डॉ. मारू ने परिवार संगठन के माध्यम से देश भर में साफी आंदोलन को फैलाने और सरकार के साथ मिलकर अगले एक वर्ष में 500 प्रशिक्षक एवं 5000 सेल्फ एडवोकेट्स तैयार करने की योजना पर प्रकाश डाला 7 सफी की राष्टीय अध्यक्ष सुश्री अदिति वर्मा ने सेल्फ एडवोकेसी मूवमेंट की प्रगति और एक छोटे से संगठन से राष्टीय संगठन के रूप में विकसित होने के सफ़र के अवगत कराया 7 सम्मेलन में 21 राज्यों से 300 से अधिक बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यान्ग जन तथा उनके प्रशिक्षकों ने भाग लिया।

इस वर्ष के अधिवेशन की थीम हमारे साथ, हमारे लिए नहीं पर स्वयं अधिवक्ताओं ने अपनी राय व्यक्त की। दो दिवसीय अधिवेशन में वार्षिक आम बैठक, ओपन हाउस सत्र के रूप में स्वयं अधिवक्ता फोरम ऑफ इंडिया की आम सभा, राज्यों में चलायी जा रही आजीविका परियोजना की रिपोर्ट तथा गतिविधियों के माध्यम से टीम निर्माण, नेतृत्व, सामाजिक समावेश और भागीदारी के लिए स्वयं अधिवक्ताओं को अनुभवात्मक ज्ञान को साझा किया गया तथा सेल्फ एडवोकेट्स की प्रतिभा प्रदर्शन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया 7 अधिवेशन में साफी की नवीन कार्यकारी परिषद के चुनाव संपन्न हुए जिसमे नागपुर के सेल्फ एडवोकेट अमित पटले को नया राष्टीय अध्यक्ष चुना गया 7 स्नेह के सेल्फ एडवोकेट्स प्रदीप भाटी, अरुण गिरी , श्रुति निषाद, डिम्पल हनोतिया एवं सोनू मारू ने भी अधिवेशन में नृत्य एवं भाषण की प्रस्तुति देकर तालियाँ बटोरी 7 इस अवसर पर स्नेह के उपनिदेशक महेशचन्द्र राठोड़, सुनील गौतम, रंजीता तंवर, चन्दन सिंह, अनिल कँवर भी उपस्तिथ थे।

हाइकु

(1)
विटप आम
दूसरों के लिए ही,
नहीं बेकाम।
(2)
शिक्षा पहले
हो स्वयं के लिए ही,
दूसरों को दें।
(×)
पढ़ाती रही
पाँच उंगलियाँ ही,
एकता सही।
(4)
वृक्ष बबूल
काँटे रख कर ही,
करता भूल।
(5)
सभी गिरते
सदा ऊपर से ही,
फिर उठते।
-टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

पर्याप्त नींद से रहती है निरोगी काया

नींद का मनुष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण पक्ष है। मनुष्य अपने जीवन का एक तिहाई हिस्सा सोते हुए गुजार देता है। नींद में परिवर्तन होने से मनुष्य की कार्य क्षमता पर भी बहुत प्रभाव पड़ता है। आखिर नींद के लिए लोग इतना परेशान क्यों होते हैं क्योंकि नींद एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा शरीर आराम पाता है। गहरी नींद से व्यक्ति तनाव रहीत हो जाता है। हमें तब तक नींद नहीं आती है जब तक की दिमाग का दुनिया से सीधा नाता जुड़ा होता है और दिमाग एवं देह दोनों ही हरकत में चलते रहते हैं। स्पष्ट है कि जब तक तनाव रहता है तब तक नींद नहीं आती और जहां विचार बिल्कुल खत्म हो जाते हैं तब नींद अचानक आ जाती है। इसलिए यह जरूरी है कि सोने के समय अपने चिंतन को बिल्कुल बंद कर देना चाहिये।

अमेरिकी डॉक्टर शिपर्स ने कहा ÷निद्रा का सबसे प्रमुख शत्रु है चिंता÷ अतः हमें चिंता रहित होकर सोना चाहिए। बिस्तर पर लेटने के पश्चात ना तो आने वाले कल के बारे में और नहीं दिनभर की कार्यकलापों के बारे में विचार करना चाहिए। लेटते ही बिजली के स्विच की भांति विचारों के स्विच को भी बंद कर देना चाहिए। नींद के लिए गोलियों का सेवन भी किया जाता है जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदेह होता है।

लोगों में अच्छी नींद के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इस वर्ष विश्व निद्रा दिवस की थीम ÷सेहत के लिए जरूरी है नींद÷ रखी गई है। विश्व निद्रा दिवस वर्ष 2008 से प्रत्येक वर्ष मार्च माह के तीसरे शुक्रवार को मनाया जाता है जो कि इस वर्ष 17 मार्च को मनाया जाएगा। नींद सैकड़ों मर्ज की एक दवा, लेकिन आज तनाव और चिंता के दौर में नींद कहीं काफूर हो गई है और सुबह बड़ी बोझिल लगती है।

इसलिए आज हमें यह देखना है कि गहरी नींद में शरीर के अंग प्रत्यंग को आराम मिलता है खर्च हुई शक्ति पुनः प्राप्त होती है। गहरी नींद में श्वास गति धीमी होकर नाड़ी धीरे धीरे चलती है। मस्तिष्क में रक्त प्रवाह कम होकर स्पर्श और श्रवण शक्ति का लोप हो जाता है। नींद खुलने पर पहले श्रवण तत्पश्चात स्पर्श शक्ति लौटती है। नेपोलियन बोनापार्ट कम समय सोता था लेकिन गहरी नींद लेता था, बिस्तर पर जाते ही क्षण भर में वह निद्रा रानी की बाहों में समा जाता था और वह जीवन भर निरोग रहा इसलिए गहरी नींद का आना बहुत आवश्यक है। विश्व में सबसे अधिक साधन संपन्न धनी राष्ट अमेरिका में लाखों लोगों को नींद नहीं आती है, यह लोग रोजाना नींद की दवाइयां खाकर बिस्तर पर जाते हैं। अन्य देशों के लोगों की भी लगभग ऐसी ही स्थिति है।

दिन भर मेहनत मजदूरी करने वाला मजदूर जब घर लोटता है और रूखी सूखी खाकर सख्त जमीन पर पढ़ते ही उसे नींद आ जाती है, जबकि उसको मेहनत अनुसार पौष्टिक भोजन भी नहीं मिलता और नहीं ऐशोआराम के साधन। दूसरी तरफ साधनसंपन्न व्यक्तियों को नींद नहीं आने के अनेक कारण होते हैं जैसे लोभ, ईर्ष्या, भय,अतिचिंता, यह सब जीवन में बौखलाहट पैदा कर देते हैं। इसके कारण भी नींद की प्रतीक्षा में इन्हें देर रात तक करवटें बदलनी पड़ती है। स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति प्रयत्न के बावजूद रात को जो कि नींद का सर्वोत्तम समय है उसमें भी सो ना सके और नींद ना आने के कारण चिंतित रहे तो समझना चाहिए कि वह व्यक्ति अनिद्रा की बीमारी से पीड़ित है।

नींद उम्र की अलग-अलग पड़ावो में कम ज्यादा होती रहती है, नवजात शिशु 24 घंटे में से 20 घंटे तक सोता है फिर क्रमशः नींद की आवश्यकता घटती जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि एक स्वस्थ मनुष्य के लिए औसतन 6 से 7 घंटे की नींद पर्याप्त होती है। अनिद्रा के अतिरिक्त अधिक देर तक सोना भी आलस्य की निशानी है एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। नींद और भूख जितनी बड़ाओ उतनी बढ़ जाती है एवं जितनी घटाओ उतनी घट जाती है दोनों का एक जैसा स्वभाव है।

गहरी नींद से संपूर्ण शरीर को विश्रांति एवं उचित पोषण मिलता है। अत्याधिक शारीरिक एवं मानसिक श्रम के पश्चात खोई हुई शक्ति पाने के लिए गहरी नींद का झोंका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है इससे भी मस्तिष्क को पूरा पूरा आराम मिल जाता है और मन स्फूर्तिमय हो जाता है इसलिए सफर के दौरान ड्राइवर को पर्याप्त नींद लेना चाहिए अन्यथा हल्की झपकी आने से बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

नींद लाने की कुछ उपाय के पहले देखा जाए तो एक रात का जागरण घातक तो नहीं होता परंतु अगला दिन चिड़चिड़ाहट और थकान भरा होता है। लगातार दो-तीन दिनों तक जागते रहने से विचार करने की क्षमता भी समाप्त हो जाती है। यदि किसी भी व्यक्ति को जबरन अधिक दिनों तक जगाए रखा जाए तो उसकी मृत्यु तक हो सकती है इसलिए रेलवे ने ड्राइवरों व गार्ड के लिए देश के अनेकों स्टेशन पर विश्राम गृह बनाए हैं।

अच्छी नींद लाने के उपाय-

❍पूर्व दिशा में सिर रखकर सोने से शांतिपूर्ण एवं सुखमय नींद आती है।

❍दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोने से धन एवं आयुष्य में वृद्धि होती है।

❍ रोजाना रात में जल्दी सोना एवं सुबह जल्दी उठना चाहिए।

❍सोने के पूर्व किसी भी प्रकार के फालतू विचार नहीं करना चाहिए।

❍सुबह एवं शाम दोनों समय भोजन करने का समय निश्चित होना चाहिए।

❍शाम को सूर्यास्त के पूर्व भोजन करना अति उत्तम है एवं सोने से पूर्व दूध लेना अच्छी नींद के लिए आवश्यक है।

❍सोने का कमरा स्वच्छ एवं हवादार होना चाहिए।

❍रात को शरीर पर हल्के कपड़े पहनना चाहिये।

❍नींद लेने के समय का निर्णय स्वयं करें अन्यथा कुंभकरण की नींद भी होती है।

❍ सोने से पहले शरीर की प्राकृतिक आवश्यकताओ जैसे शोच, मूत्र आदि से निपट लेना चाहिए अन्यथा बीच में उठने से नींद में व्यवधान उत्पन्न होता है।

❍रात्रि में सोने से पूर्व ब्रश करना चाहिए एवं हाथ, पैर व मुंह धोकर सोना चाहिए।

म सोते समय हल्की आवाज में संगीत सुनने, हल्की-फुल्की कहानियां एवं कविता या पत्र-पत्रिका पढ़ने से भी नींद शीघ्र आती है।

❍गहरी नींद के दुश्मन जेसे क्रोध, घ्रणा, चिंता, रोग, भय, अति प्रेम,अधिक भोजन, चाय-कॉफी, तंबाकू, सिगरेट, मसालेदार भोजन, अधिक प्रकाश आदि से बचना चाहिए।

❍नियमित व्यायाम भी नींद लाने में सहायक होता है, प्रतिदिन नियमित व्यायाम के साथ सायं काल तीन-चार किलोमीटर टहलना चाहिए।

❍ पश्चिम की तरफ सिर करके सोने से चिंता आती है एवं उत्तर की तरफ सिर करके सोने से आयु का नाश होता है।

❍ बाई करवट लेकर सरल रेखा में लेटना सर्वोत्तम है इसमें श्वास नली सीधी रहती है एवं साथ ही ऑक्सीजन का संचार अच्छा होता है।

-डॉ. बी.आर. नलवाया
विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक- वाणिज्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मंदसौर

रोटियों का क्रंदन

रोटियां!
बनाई जाती हैं खाने के लिए
कुछ बेचे जाते, खरीदे जाते हैं कुछ
हर रोटी का अपना मुकद्दर होता है
मगर कुछ रोटियां जो फेंकी जाती है ....
भूख की कीमत बयां करती है रोटियां।।
रोटियां!
खामोश रहती है रोटियां, मगर ...
हर निवाले के साथ, भूख बोलता है
बेचे और खरीदी जाने पर भी खामोश रहती
केवल चीखती है रोटियां, कचड़े के डब्बे में
बयां करती है आदमी-आदमी का फर्क ...
रोटियां!
भूख से केवल आदमी हीं नहीं तड़पता
रोती है रोटियां भी कभी कभी
बाट जोहती थालियां रोटी के लिए,
क्रंदन रोटियों का सुनता कौन?
संगीत तो कभी सिसकी भरती है रोटियां।।
रोटियां!
भूख लिए आंखों को निहारती है
अमीर का गुमान, गरीब का ईमान
रोटियों के खातिर तरसते बच्चों को देखकर
अक्सर रोटियां चीत्कार उठती -
भूल जाता आदमी औकात, पेट भरने के बाद।।
-अजय कुमार झा तिरहुतिया

लेख-तपती धरती, संकट में अस्तित्व

भारत में, 10 सबसे गर्म वर्षों में से नौ पिछले 10 वर्षों में दर्ज किए गए हैं, और सभी 2005 के बाद से दर्ज किए गए हैं। पिछला साल रिकॉर्ड पर पांचवां सबसे गर्म वर्ष था। गर्मी की लहरों के कारण प्रेरित तनाव श्वसन और मृत्यु दर को बढ़ाता है, प्रजनन क्षमता को कम करता है, पशु व्यवहार को संशोधित करता है, और प्रतिरक्षा और अंतःस्रावी तंत्र को दबा देता है, जिससे कुछ बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। 1992 के बाद से, भारत में लू से संबंधित 34,000 से अधिक मौतें हुई हैं। गर्मी की लहरें पशुओं को गर्मी के तनाव का अनुभव करने की संभावना भी बढ़ जाती हैं, खासकर जब रात के समय तापमान अधिक रहता है और जानवर ठंडा नहीं हो पाते हैं। गर्मी से तनावग्रस्त मवेशी दूध उत्पादन में गिरावट, धीमी वृद्धि और कम गर्भाधान दर का अनुभव कर सकते हैं। गर्मी की लहरें सूखे और जंगल की आग को बढ़ा सकती हैं, जिससे कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, पिछले सालों में पशुपालकों को चारे की कमी के कारण अपना स्टॉक बेचना पड़ा। यह विशेष रिपोर्ट हाल की कुछ रिपोर्ट में सामने आए कुछ चौंकाने वाले तथ्यों की ओर इशारा करती है। यह भारत में जलवायु परिवर्तन/गर्मी की लहर के तनाव से उत्पन्न होने वाली जमीनी पीड़ा को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी बात करता है।
-डॉ सत्यवान सौरभ

दुनिया भर में, गर्म दिन अधिक गर्म और लगातार हो रहे हैं। पिछले एक दशक में, दैनिक रिकॉर्ड उच्च तापमान महाद्वीपीय संयुक्त राज्य भर में रिकॉर्ड कम होने की तुलना में दोगुना हुआ है, जो 1950 के दशक में लगभग 1ः1 के अनुपात से अधिक है। गर्मी की लहरें अधिक आम होती जा रही हैं, और अमेरिका के पश्चिम में तीव्र गर्मी की लहरें अधिक होती हैं, हालांकि देश के कुछ हिस्सों में 1930 के दशक में अभी भी गर्मी की लहरों की संख्या का रिकॉर्ड है। भारत में, 10 सबसे गर्म वर्षों में से नौ पिछले 10 वर्षों में दर्ज किए गए हैं, और सभी 2005 के बाद से दर्ज किए गए हैं। पिछला साल रिकॉर्ड पर पांचवां सबसे गर्म वर्ष था। गर्मी की लहरों के कारण प्रेरित तनाव श्वसन और मृत्यु दर को बढ़ाता है, प्रजनन क्षमता को कम करता है, पशु व्यवहार को संशोधित करता है, और प्रतिरक्षा और अंतःस्रावी तंत्र को दबा देता है, जिससे कुछ बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। 1992 के बाद से, भारत में लू से संबंधित 34,000 से अधिक मौतें हुई हैं। यह विशेष रिपोर्ट हाल की कुछ रिपोर्ट में सामने आए कुछ चौंकाने वाले तथ्यों की ओर इशारा करती है। यह भारत में जलवायु परिवर्तन/गर्मी की लहर के तनाव से उत्पन्न होने वाली जमीनी पीड़ा को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी बात करता है।

यदि ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण रूप से कटौती नहीं की जाती है, तो सदी के मध्य तक दैनिक उच्च और निम्न तापमान अधिकांश क्षेत्रों में कम से कम 5 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ जाएगा, जो सदी के अंत तक 10 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ जाएगा। राष्ट्रीय जलवायु आकलन का अनुमान है कि मध्य-शताब्दी तक अधिकांश क्षेत्रों में 90 डिग्री फारेनहाइट से अधिक। उच्च आर्द्रता के साथ संयुक्त होने पर गर्म तरंगें अधिक खतरनाक होती हैं। तापमान और आर्द्रता के संयोजन को ताप सूचकांक द्वारा मापा जाता है। हाल ही के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि 20वीं शताब्दी के अंत की तुलना में 100 डिग्री फारेनहाइट से ऊपर ताप सूचकांक वाले दिनों की वार्षिक संख्या दोगुनी हो जाएगी, और 105 डिग्री फारेनहाइट से ऊपर ताप सूचकांक वाले दिन देश भर में तिगुने हो जाएंगे। अत्यधिक गर्मी मौसम संबंधी मौतों के प्रमुख कारणों में से एक है, बीते दशकों में प्रति वर्ष औसतन अधिक लोगों की मौत हुई है, जो अन्य सभी प्रभावों (तूफान को छोड़कर) से अधिक है। 1980 के बाद से शीर्ष 10 सबसे घातक अमेरिकी आपदाओं में से छह के रूप में हीट वेव्स को सूचीबद्ध करता है।

अत्यधिक गर्मी अन्य प्रकार की आपदाओं के जोखिम को बढ़ा सकती है। गर्मी सूखे को बढ़ा सकती है, और गर्म, शुष्क परिस्थितियों बदले में जंगल की आग की स्थिति पैदा कर सकती हैं। इमारतें, सड़कें और बुनियादी ढाँचे गर्मी को अवशोषित करते हैं, जिससे तापमान बाहरी क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में 1 से 7 डिग्री स्न अधिक गर्म हो सकता है - एक घटना जिसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव के रूप में जाना जाता है। यह प्रभाव दिन के दौरान सबसे अधिक तीव्र होता है, लेकिन बुनियादी ढांचे (या एक वायुमंडलीय ताप द्वीप) से रात में गर्मी की धीमी गति शहरों को आसपास के क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म रख सकती है। देश भर में बढ़ता तापमान लोगों, पारिस्थितिक तंत्र और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा पैदा करता है। हीट स्ट्रेस इंसानों में तब होता है जब शरीर खुद को प्रभावी ढंग से ठंडा नहीं कर पाता है। आम तौर पर, शरीर पसीने के माध्यम से खुद को ठंडा कर सकता है, लेकिन जब नमी अधिक होती है, तो पसीना जल्दी से वाष्पित नहीं होगा, संभावित रूप से हीट स्ट्रोक हो सकता है। उच्च आर्द्रता और ऊंचा रात का तापमान गर्मी से संबंधित बीमारी और मृत्यु दर के प्रमुख कारक हैं। जब रात में गर्मी से कोई विराम नहीं मिलता है, तो यह असुविधा पैदा कर सकता है और स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिनके पास शीतलन तक पहुंच नहीं है, जो अक्सर कम आय वाले लोग होते हैं। अन्य समूह जो विशेष रूप से गर्मी के तनाव की चपेट में हैं, उनमें वृद्ध वयस्क, शिशु और बच्चे, पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोग और बाहरी कर्मचारी शामिल हैं।

गर्म दिन भी गर्मी से संबंधित बीमारियों में वृद्धि से जुड़े होते हैं, जिनमें हृदय और श्वसन संबंधी जटिलताएं और गुर्दे की बीमारी शामिल हैं। अत्यधिक तापमान में वायु की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। गर्म और धूप वाले दिन जमीनी स्तर के ओजोन के उत्पादन को बढ़ा सकते हैं, एक हानिकारक प्रदूषक जो धुंध का मुख्य घटक है, जो श्वसन प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकता है और विशेष रूप से अस्थमा वाले लोगों के लिए हानिकारक है। इसके अलावा, एयर कंडीशनिंग के अधिक उपयोग के लिए अधिक बिजली की आवश्यकता होती है, जो बिजली के स्रोत के आधार पर, अन्य प्रकार के प्रदूषणों का उत्सर्जन करता है, जिसमें कण भी शामिल हैं जो वायु की गुणवत्ता पर भी प्रभाव डालते हैं। ओजोन और पार्टिकुलेट मैटर में ये वृद्धि लोगों के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है, विशेष रूप से वही कमजोर समूह जो ऊपर उल्लिखित गर्मी से सीधे प्रभावित होते हैं। उच्च तापमान कृषि के लिए हानिकारक हो सकता है। पौधों की वृद्धि दिन के उच्च तापमान से नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है और कुछ फसलों को रात के ठंडे तापमान की आवश्यकता होती है। गर्मी की लहरें पशुओं को गर्मी के तनाव का अनुभव करने की संभावना भी बढ़ जाती हैं, खासकर जब रात के समय तापमान अधिक रहता है और जानवर ठंडा नहीं हो पाते हैं। गर्मी से तनावग्रस्त मवेशी दूध उत्पादन में गिरावट, धीमी वृद्धि और कम गर्भाधान दर का अनुभव कर सकते हैं। गर्मी की लहरें सूखे और जंगल की आग को बढ़ा सकती हैं, जिससे कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, पिछले सालों में पशुपालकों को चारे की कमी के कारण अपना स्टॉक बेचना पड़ा। गर्म तापमान उत्पादन, संचरण और मांग सहित अमेरिकी ऊर्जा प्रणाली के कई पहलुओं को प्रभावित करता है। जबकि उच्च गर्मी के तापमान में शीतलन के लिए बिजली की मांग में वृद्धि होती है, साथ ही, वे बिजली ले जाने के लिए संचरण लाइनों की क्षमता को कम कर सकते हैं, संभवतः बिजली की विश्वसनीयता के मुद्दों जैसे गर्मी की लहरों के दौरान रोलिंग ब्लैकआउट का कारण बन सकते हैं। हालांकि गर्म सर्दियां हीटिंग की आवश्यकता को कम कर देंगी, लेकिन मॉडलिंग से पता चलता है कि गर्म भविष्य में कुल ऊर्जा उपयोग में वृद्धि होगी। इसके अलावा, जैसे-जैसे नदियाँ और झीलें गर्म होती हैं, बिजली संयंत्रों से अपशिष्ट ऊष्मा को अवशोषित करने की उनकी क्षमता घटती जाती है। यह बिजली उत्पादन की तापीय क्षमता को कम कर सकता है, जिससे बिजली संयंत्रों के लिए उनके ठंडे पानी के तापमान के संबंध में पर्यावरणीय नियमों का पालन करना मुश्किल हो जाता है, और संयंत्र बंद हो सकते हैं। अत्यधिक गर्मी के लिए लचीलापन बनाने के लिए कमजोर आबादी की पहचान करना और सभी निवासियों को ध्यान में रखते हुए गर्मी की तैयारी की योजना बनाना, जिसमें अत्यधिक गर्मी की अवधि के दौरान कूलिंग सेंटर खोलने और कार्यस्थल के ताप तनाव मानकों को अपनाने जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। शहरी ताप द्वीप प्रभाव को कम करने के लिए ठंडी और हरी छतें और ठंडे फुटपाथ स्थापित करना, छाया प्रदान करने के लिए पेड़ लगाना और वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से हवा को ठंडा करना, बिजली ग्रिड पर मांग को कम करने के लिए ऊर्जा दक्षता का पीछा करना, विशेष रूप से गर्मी की लहरों के दौरान कारगर सिद्ध हो सकता है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

क्षणिकाएँ

मित्र हो क्या

तुम सब इतना कैसे समझ लेते हो,
कभी तो मिले नही हो ,
इतनी गहराई से कैसे समझते हो,
क्या मेरे विचार से सहमत होते हो,
या कोई जादूगर हो,
लगतां है तुम भी मेरे जैसे हो,
तभी तो मित्रवत बात करते हो,
क्या तुम मेरे मित्र हो ।

बताओ कौन हो तुम
पहले ये बताओ तुम
मेरे कौन हो तुम
जो इतनी फ़िक्र करते हो
जो इतना ख्याल रखते हो
क्या रिश्ता है तुम्हारा मेरा
क्या मित्रता ऐसे ही होती है ।

वही तो मित्र है
जो मन की बात समझ जाये,
बिना बोले ही समझ जाये,
मित्र के थोड़े दुःख से भी दुःखी हो जाये,
थोड़ी खुशी में भी खुश हो जाये,
सुख दुःख बाटने लग जाये,
बात बात में चिंता जताये,
वही तो मित्र है ।

-डॉ. संजय कुमार मालवी

भावनानी के भाव

मुस्कान में मिठास की परछाई है

स्वभाव की यह सच्ची कमाई है
इस कला में अंधकारों में भी
भरपूर खुशहाली छाई है
मुस्कान में मिठास की परछाई है
मुस्कान उस कला का नाम है
भरपूर खुशबू फैलाना उसका काम है
अपने स्वभाव में ढाल के देखो
फिर तुम्हारा नाम ही नाम है
मीठी जुबान का ऐसा कमाल है
कड़वा बोलने वाले का शहद भी नहीं बिकता
मीठा बोलने वाले की
मिर्ची भी बिक जाती है
मुस्कान में पराए भी अपने होते हैं
अटके काम पल भर में पूरे होते हैं
सुखी काया की नींव होते हैं
मानवता का प्रतीक होते हैं

-एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

//जीना सीखो//

सुख दुख जीवन के साथी है, इससे ना घबराओ जी।
हिम्मत कर के आगे आओ, जीवन सफल बनाओ जी।।
कल क्या होगा किसने देखा, फिर क्यों सोचा करते हो।
सही कर्म की राहे चलते, फिर भी सारे डरते हो।।
मुश्किल आती है जीवन में, उससे भी टकराओ जी।
हिम्मत कर के आगे आओ, जीवन सफल बनाओ जी।।
मिट्टी की ये देह बनी है, चूर चूर हो जायेगी।
गिनती की साँसे चलती है, हाथ कभी ना आयेगी।।
खुश रह के तुम जीना सीखो, खुशियाँ भी फैलाओ जी।
हिम्मत कर के आगे आओ, जीवन सफल बनाओ जी।।
भोले बाबा ऊपर बैठे, करते हैं लेखा जोखा।
साथ हमेशा रहते हैं वो, नहीं कभी देते धोखा।।
द्वेष कपट को दूर रखो तुम, सबको गले लगाओ जी।
हिम्मत कर के आगे आना, जीवन सफल बनाओ जी।।

-प्रिया देवांगन प्रियू

रेड-कार्पेट की परंपरा को तोड़ते हुए इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) ग्रीन-कार्पेट की मिसाल कायम रखे हुए है

ग्रीन कार्पेट की उत्पत्ति वर्ष 2007 में आईफा स्टोरी- ग्रीनिंग द आईफा के साथ हुई

जीएनएस। लंदन की हृदयस्थली प्रतिष्ठित मिलेनियम डोम में नई सहस्राब्दी की शुरुआत में, वर्ष 2000 में 21वीं शताब्दी के सबसे महान और सबसे बड़े एंटरटेनमेंट आईपी में से एक- आईफा की उत्पत्ति हुई। सिनेमाघरों, व्यवसायों, समुदायों और देशों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए समर्पित, हर किसी का सपना था- ÷वन पीपल, वन वर्ल्ड÷। 21 वर्ष पूर्व देखा गया भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने लाने का यह सपना आईफा के माध्यम से पूरा हो सका। इसने विश्वभर में उत्सव का माहौल बना दिया, जो न सिर्फ लोगों, बल्कि देशों, संस्कृतियों और राष्ट्रों को सिनेमा के मंच से जोड़ता था, जो कि आज तक जारी है।

आईफा वर्षों से चली आ रही जादुई और अविस्मरणीय यादों को जीवंत रखे हुए है, जो विश्वविख्यात है। इंडस्ट्री में प्रमुख होने पर गर्व करते हुए, आईफा ने हमेशा आईफा वीकेंड एंड अवॉर्ड्स के दायरे में पर्यावरण एजेंडा को प्रखर रखा है, जब उन्होंने वर्ष 2007 में 'ग्रीनिंग द आईफा' अवधारणा की शुरुआत की और पारंपरिक रेड कार्पेट्स के बजाए चमकीले ग्रीन कार्पेट्स को इस विचार का प्रतीक बनाया।

आईफा के सितारों सहित सिएना मिलर, कॉलिन फर्थ और प्रियंका चोपड़ा से लेकर अमिताभ बच्चन तक ने आईफा के इस विचार की सराहना की है और गर्व से इस बात को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ रहे हैं कि हम सभी अपने घरों और दुनिया में बदलाव ला सकते हैं। आईफा ने हमेशा ही पर्यावरण पर महत्वपूर्ण संदेश देने में योगदान दिया है। इसमें शामिल सितारे और मशहूर हस्तियाँ वैश्विक स्तर पर दर्शकों और प्रशंसकों को पर्यावरण के लिए संदेश देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और निश्चित तौर पर सेलिब्रिटी फॉलोइंग की शक्ति के साथ, यह काम कर गया है।

स्थिरता के लिए ये अवॉर्ड्स, फैशन हाउसेस की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, ...

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े जश्न के आगाज़ में अब कुछ ही समय शेष है। यास द्वीप, अबू धाबी में 26 और 27 मई, 2023 को इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) और अवॉर्ड्स का आयोजन होने जा रहा है।

टिप्पणी-

- आईफा 2023 के लिए मीडिया मान्यता https://iifa.com/news पर खुली है
- मौजूदा टिकट्स वाले सभी ग्राहकों को स्वचालित रूप से नई तारीखों के रिवाइज़्ड टिकट्स प्राप्त होंगे
- संबंधित टिकटिंग प्लेटफॉर्म पर मौजूदा टिकट होल्डर्स भी ईमेल करके रिफंड का अनुरोध कर सकते हैं, जिसे उन्होंने 10 वर्किंग डेज़ के भीतर खरीदा हो। इसके बाद सभी रिफंड्स को प्रोसेस कर दिया जाएगा
- नई तारीखों के लिए टिकट्स की बिक्री etihadarena.ae औरU platinumlist.net पर तत्काल प्रभाव से जारी रहेगी
- फैंस और मीडिया www.iifa.com पर लॉग इन करके या सोशल मीडिया हैंडल की जाँच करके आईफा और हिंदी सिनेमा पर नवीनतम समाचारों और विवरणों के बारे में जानकारी ले सकते हैं
- आईफा वेबसाइट- www.iifa.com
- आईफा सोशल मीडिया हैंडल्स-
- इ ं स्ट ा ग ् ा म - https://www.instagram.com/iifa
- ट्विटर- https://twitter.com/iifa
- फ े स ब ु क - https://www.facebook.com/IIFA/

हमारे ही, अन्दर //आलेख//

किसी ने क्या खूब कहा है-
आत्मा भी अंदर है,
परमात्मा भी अंदर है,
और परमात्मा से मिलने
का रास्ता भी अंदर है।

बिल्कुल सत्य बात है।इंसान भगवान की तलाश में कहाँ-कहाँ नही भटकता,कभी मंदिर,कभी मस्जिद,कभी गुरुद्वारा,कभी चर्च और यहाँ तक की सारे तीर्थ स्थलों का खाक छान डालता है।पर उसको वह भगवान नही मिलता।उसको जो सुकून शांति और सन्तोष मिलना चाहिए, वह नही मिल पाता।और अंत मे वह इंसान थक हार के शांत हो जाता है।और कुछ दिनों बाद वही भटकना फिर शुरू कर देता है।

इसको कबीर दास जी कितनी सहजता के साथ कही-

कस्तूरी कुंडली बसय
मृग ढूँढय बन माही।
ऐसे घटी-घटी राम है,
दुनिया जानत नाही।।

यह इंसान मृग की तरह यहाँ-वहाँ बेवजह भटक रहा है।उसको मृग की भांति यह पता नही की उसके स्वयं के नाभि में वह खुशबूदार कस्तूरी बसी हुई है।जिसकी तलाश में वह पूरे जंगल कानन में भटक रहा है।ठीक इसी प्रकार इंसान यहाँ-वहाँ परमात्मा की तलाश में दर-दर भटक रहा है।जबकि उसकी अपनी आत्मा के अंदर वह भगवान विराजमान है।जिसको वह समझ नही पा रहा है।देख नही पा रहा है।इस सबन्ध में कबीर ने ठीक ही लिखा है-

ज्यों तिल माहि तेल है,
ज्यों चकमक में आग ।
तेरा साईं तुझ ही में है,
जाग सके तो जाग ।।

इस संसार मे यह इंसान उस ईश्वरको प्राप्त करने के लिए नाना प्रकार के कर्मकांड करता है।कभी यंत्र का सहारा ,तो कभी मंत्र का सहारा,तो कभी तंत्र का सहारा,तो कभी साधना ,तो कभी माला जाप।पर मिलता उसे कुछ नही।इस कर्मकांडों के चक्कर मे पड़कर वह कभी-कभी गम्भीर से गम्भीर अपराध भी कर बैठता है।जो उसके स्वयं के लिए घातक हो जाता है। जबकि कबीर दास जी ने इस सम्बंध में मन को एकाग्र करने,मन को साधने की बात कही-

माला फेरत जुग गया
मिटा न मन का फेर
करका मनका डार के
मनका-मनका फेर।।

ईश्वर को प्राप्त करने के लिए साधन,आराधना मंत्र जाप,माला फेरन आदि की आवश्यकता ही नही है।इसके लिए मात्र और मात्र प्रेम,आस्था,विश्वास की आवश्यकता है।जिसने प्रेम किया,जिसने ईश्वर को अपनी आत्मा में जाना। वही ईश्वर को प्राप्त किया।

कबीर ने इसीलिए कहा-
पोथी पढ़-पढ़ जग मुआ
पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का
पढ़े सो पंडित होय।।

तुलसी दास जी ने रामचरित मानस में भी यह बात कही। जिसमे भगवान श्री रामचन्द्र जी ने अपनी नवधा भक्ति के माध्यम से पांचवी भक्ति में यह बात कही है।जिसमे उन्होंने आस्था,विश्वास को बल दिया है।और साधना आराधना भक्ति में दृढ़ विश्वास की बात कही।

उन्होंने कहा-
मंत्र जाप मम दृढ़ बिस्वासा।
पंचम भजन सो बेद प्रकासा॥
छठ दम सील बिरति बहु करमा।
निरत निरंतर सज्जन धरमा॥1॥

इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि ईश्वर को प्राप्त करने का एक ही साधन है,और वह है अन्तर्मन में आस्था,विस्वास,लगन।अंतरात्मा की यात्रा,अन्तर्मन की भक्ति,अन्तर्मन को समझना।उसकी पुकार को सुनना।इसीलिए कहा गया-

आत्मा,परमात्मा,और परमात्मा को पाने का साधन हमारी आत्मा ही है।

-अशोक पटेल आशु

धोखा

बहुत चाहा था उन्हें
पहला प्यार जो था।
रब जैसे भरोसा किया
मेरा पहला प्यार जो था।
आकर उनकी बातों में
खुद से भी ज्यादा चाहा।
हर आहट उनकी लगती
मेरा पहला प्यार जो था।
उन बिन साँस ना आती थी
मुझे नींद चैन ना भाती थी।
लोगो ने मुझे कहा बहुत था
पर अनजान रही सब जान।
बहुत भरोसा किया था उन पर
मेरा वो पहला प्यार जो था।
आ गयी उनकी मीठी बातों पर
वार दिया अपना सब उन पर।
आँख मूँद विश्वास किया था
वो मेरा पहला प्यार जो था।
पर ये क्या सितम हुआ मुझ पर
छ्ल गया जालिम जीवन पथ पर।
धोखा उनका कर गया मुझको
तार - तार, बार - बार वो मुझको।
उस हरजाई ने मुझको मेरे सामने
हर पल लुटा विश्वास को मेरे।
टूट गई मैं बिखरा जीवन मेरा
पहला प्यार था मेरा दे गया धोखा।
फिर क्या था रह गया जीवन में
बस कसक रहीं पहला प्यार था वो।
सब कुछ देखा उनका मेरे नैनो ने
उनका धोखा देखा,छ्ल भी देखा।
इन अधरों से रूठ गयी मुस्कान मेरी
नैन अश्क धार बहे पहला प्यार था वो।
पल पल तड़पा दिल यह मेरा
रोया बार बार पहला प्यार था मेरा।
उनके धोखे ने कर दिया जीवन कोरा
पर सब जान नफरत भी कर ना सकीं।
उनके धोखे ने भी एक सबक दिया
प्यार करो तो छ्ल फीका पड़ जाए।
इतना चाहा हमने उनको की
धोखा भी उनका भुला दिया।
धोखा, छ्ल करके लूट गए जो
आख़िर मेरा पहला प्यार था वो।

-श्रीमती दुर्गेश नन्दिनी नामदेव

लेख–कुबेर और फकीर

स्वामी विवेकानंद एक महान दार्शनिक, वक्ता, दूरदर्शी समाज सुधारक थे जिन्होंने शिकागो में धर्म परिषद में भारतीय संस्कृति का झंडा बुलंद किया। सामने वाले को उदाहरण के साथ ज्ञानोदय करने की उनकी एक विशेष शैली थी। अमेरिका में धार्मिक सम्मेलन के बाद स्वामी जी एक बार फिर वहाँ गये थे। स्वामी जी एक सदाचारी अमरीकन के घर ठहरे थे। वह प्रसिद्ध उद्योगपति रॉकफेलर के व्यवसाय में अमेरिकी भागीदार थे। इस भागीदार को स्वामी विवेकानंद पर बहुत विश्वास था। इसलिए यह भागीदार अक्सर विवेकानंद के बारे में रॉकफेलर से सम्मानपूर्वक बात करता था। रॉकफेलर सुनते थे। रॉकफेलर यानी कुबेर! धन का भारी प्रवाह और बहिर्वाह था। धन के बाद अहंकार आता है। वह रॉकफेलर के पास भी आया था। जॉन डी. रॉकफेलर का नाम तब न केवल अमेरिका में बल्कि पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा था। उनकी गिनती दुनिया के सबसे अमीर लोगों में होने लगी थी। जैसे-जैसे धन बढ़ता गया, वैसे-वैसे उसका अहंकार भी बढ़ता गया। दूसरों का तिरस्कार करने की प्रवृत्ति बढ़ी और यह स्वाभाविक भी था। क्योंकि बड़ी कठिनाई, संकल्प, परिश्रम से डॉ. जॉन डी. रॉकफेलर ने पैसा कमाया था। उन्होंने दीर्घकाल तक लक्ष्मी की आराधना की और फिर लक्ष्मी ने भी उनके सिर पर वरदहस्त रखा।

एक भागीदार मित्र ने विवेकानंद के बारे में कहा,

फिर रॉकफेलर ने पूछा, ÷यह आदमी कौन हे?÷

÷एक हिंदू तपस्वी है। मित्र ने उत्तर दिया।

उसके पास कौनसा ऐश्वर्य है?

बुद्धी और विचारों का।

वो कैसा दिखाई देता है?

सन्यासी है। भगवा वस्त्र पहनता है।

फिर सन्यासी से मिलना ही चाहिए।

आप कुबेर हो; लेकिन वह तपस्वी विचारों का कुबेर है।

लेकिन मेरे पास ऐसे लोगों से मिलने के लिए समय नहीं है। रॉकफेलर।

तो भी मैं आप से बिनती करता हूं, कि उन से मिल लिजीए।

तो उन्हें यहाँ ले आओ?

इसके बजाय आपको ही आना चाहिए। वे नहीं आएंगे। मित्र ने कहा।

फिर जब मेरे पास समय होगा तब मैं आऊंगा। मैं किसी संन्यासी से मिलने में अपना समय नष्ट नहीं करूँगा। पहले उद्योग, फिर संन्यासी को मिलना।

ठीक है, समय निकालना।

यह बातचीत वहीं रुक गई। कई दिन बीत गए और फिर रॉकफेलर को याद आया। उन्होंने जानबूझकर अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकाला।

उसने मजाक में अपने मित्र से कहा, चलो तुम्हारे उस सन्यासी से मिलते हैं...

रॉकफेलर मित्र के घर आये, स्वामीजी अभ्यासिका में थे। नौकर ने रॉकफेलर को वहाँ ले आया। स्वामीजी एकाग्रता से पुस्तक पढ़ रहे थे। स्वामी जी ने रॉकफेलर की ओर एक पलक भी नहीं उठाई। रॉकफेलर के अहंकार को ठेस पहुंची।

स्वामी जी स्वयं अमेरिका में कुछ धन एकत्रित कर रहे थे; लेकिन यह सामाजिक कार्यो के लिए है। उन्हें अपने लिए कुछ नहीं चाहिए था। उन्होंने रॉकफेलर की उपेक्षा नहीं की; लेकिन उसकी शिफारस भी नहीं की। रॉकफेलर गुस्से में था और चला गया। दोस्त के समझ में आने पर दोस्त भी थोड़ा परेशान हुआ।

और क्या आश्चर्य!

एक हफ्ते के भीतर, रॉकफेलर विवेकानंद से मिलने के लिए वापस आ गया। वह जब आया तो कुछ कागजात लेकर आया था। रॉकफेलर थोड़ा गुस्से में था। उसने वह कागज विवेकानंद के सामने रख दिया।

क्या है वह?

हालांकि इसे पढ़ें तो सही।

खुद ही बताएं। स्वामीजी ने प्रसन्न मुस्कान के साथ कहा।

गरीबों की मदद के लिए, विभिन्न संगठनों को दान देने की कुछ योजनाएं हैं। मैं अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दे रहा हूं। अब तो मुझे धन्यवाद दिजीए। रॉकफेलर ने कहा।

आप कुबेर हैं। मैं संन्यासी हूं, क्या संन्यासी का धन्यवाद आप को चलेगा? दोनों दिल खोलकर हँसे।

स्वामीजी की शिष्या एम्मा कोव ने अपनी दोस्त पॉल वेर्डियर से कहा, फकीर ने कुबेर को बदल दिया।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे, सांगली

संवेदना।

अनुभूति कहें अथवा सहानुभूति,
संवेदना अपनत्व विवेक और दोस्ती का,
एक सामाजिक फर्ज है।
यह निभाना चाहिए,
यही अन्तर्मन से निकलीं प्यार है,
अपने मन के अन्दर चल रही,
द्वंद युद्ध का एक प्रकार है।
संवेदनाओं को एक दिशा में आगे बढ़ते हुए,
देखने की जरूरत है,
यह सीख हमें सीखनी चाहिए,
उन्नत प्रयास में लग जाना चाहिए,
पराये के दुःख दर्द को,
अपना बनाने का एक अपूर्व दर्शन है,
समर्पण और आत्मचिंतन का,
सबसे उत्कृष्ट आकर्षण है।
संवेदना आत्मबोध की निशानी है,
संयुक्त परिवार में सम्मिलित होने पर,
इसकी बड़ी वजह बनकर,
उभरती हुई बन जाता कहानी है।
संवेदना और संवाद में फर्क जरूरी है,
संवेदना हमें प्रेम के सागर में गोते लगाने वाली,
दिल की धडखन है,
यह कभी नहीं बन सकतीं,
हम-सब की मजबूरी है।
संवेदना संसार में सबसे ज्यादा स्नेह और प्यार की जरूरत है,
कारणों की लम्बी फेहरिस्त में,
अब बढ़ रही इस सुगंध की अहमियत है।

डॉ .अशोक, पटना,बिहार।

गज़ल

राजा यहाँ प्यादे से पिट गया
तब सारा ही प्रशासन हिल गया
आई इस बार ऐसी बाढ़
जिसमें तेरा सभी कुछ बह गया
जिसको नसीब नहीं हुआ कुछ भी
वह यारों हाथ मलते रह गया
प्रजातंत्र में हर आदमी यहाँ
हरेक कष्ट को भी वो सह गया
गूंगी जुबान है फिर भी यारों
संकेतों में सबकुछ ही कह गया
इतिहास साक्षी है आज तक ही
घमण्ड जिसने भी किया गिर गया
'रमेश' की लेखनी का असर ये
जमा कचरा सारा ही हट गया

-रमेश मनोहरा

मेहनत और साहस की परिणती भाग्य है

भाग्य को निश्चित रूप से परिभाषित करना अत्यंत कठिन है

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता हैद्य वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती हैद्य पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैंद्य इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं।असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैंद्य वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता,चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज़ से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था,÷ जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता÷ मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक्ऽ ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है। साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू,बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है। थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर,अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है।

संजीव ठाकुर

प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि ÷भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है÷,ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

संजीव नी।

तेरे नाम के आगे अपना नाम लगा लेते है लोग,

तेरे नाम के आगे अपना नाम लगा लेते है लोग,
इस क़दर भी बेमेल जोड़ी बना लेते है लोग।

इतनी धूप इतनी रोशनी है ज़माने में यहाँ,
फिर भी अपना नकली चेहरा छुपा लेते है लोग।

खुशी से मिलने की आरजू नहीं है जब दिल मे,
फिर भी फरेब के हाथ से हाथ मिला लेते है लोग।

पथरीली राहों मे फकीर चला था इसी विश्वास से,
पथरीली राहों में भी राह बना लेते हैं लोग।

दिलो में कोयले सी कालिख है जिन जनाबों के,
चेहरे पर फरेब की सफेदी लगा लेते है लोग।

आज तेरे शहर में भयानक उजाला है सूरज का,
ऐसे में अपने म्लान मनसूबे कैसे छुपा लेते है लोग।

अब उन्हें पहचानना मुश्किल है जो,
चेहरों पर नया चेहरा लगा लेते हैं लोग।

-संजीव ठाकुर

अपर कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को प्रशासनिक भवन के द्वितीय तल पर स्थित सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मृणाल मीना एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई। ग्राम केसवाल तहसील माकड़ोन निवासी किशनलाल ने आवेदन दिया कि गांव में स्थित उनके स्वामित्व की कृषि भूमि को थाने में तैनात आरक्षक के द्वारा गोपनीय तरीके से एक अन्य व्यक्ति के नाम करवा दिया गया है तथा जमीन की रजिस्ट्री भी करवा ली गई है, जबकि शासकीय अभिलेख में जमीन पर उनका नाम दर्ज है। इसके अलावा उनके द्वारा उगाई गई गेहूं की फसल को भी काटने का कार्य किया जा रहा है। इस पर तहसीलदार माकड़ोन को मामले की जांच करने के निर्देश दिये गये।

माकड़ोन निवासी शिवनारायण ने आवेदन दिया कि उन्होंने शाजापुर में रहने वाले एक व्यक्ति से एक बस खरीदी थी, जिसका सौदा तय होने के पश्चात उन्होंने उस व्यक्ति को कुछ रुपये अदा कर वाहन का कब्जा प्राप्त किया था। इसके अलावा अलग-अलग किश्तों में उन्होंने राशि व्यक्ति को दी, परन्तु व्यक्ति के द्वारा कुछ दिन पहले बस पर पुनः कब्जा कर लिया गया है तथा विरोध करने पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया है। इस पर पुलिस अधीक्षक को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

महिदपुर निवासी हेमलता शर्मा ने आवेदन दिया कि उन्होंने एक प्रायवेट फायनेंस कंपनी में कुछ राशि जमा की थी, परन्तु कंपनी के द्वारा उन्हें इसकी डायरी आज दिनांक तक बनाकर नहीं दी गई है तथा जमा राशि की मांग करने पर वह भी देने से मना कर दिया गया है। इस पर एडीएम को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

आगर नाका विराट नगर निवासी साबिराबी पति हनीफ खान ने आवेदन दिया कि महिदपुर तहसील में उनके स्वामित्व की कृषि भूमि है, जिस पर पटवारी के द्वारा पंचनामा भी बनाया जा चुका है, परन्तु आज दिनांक तक उन्हें जमीन पर कब्जा नहीं दिलवाया गया है। इस पर एसडीएम महिदपुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

ग्राम झिरोलिया तहसील उज्जैन निवासी तोलाराम ने आवेदन दिया कि गांव में स्थित शासकीय जमीन व हैण्ड पम्प पर कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। इस पर तहसीलदार उज्जैन ग्रामीण को मामले की जांच करने के निर्देश दिये गये।

ग्राम राघवी तहसील महिदपुर निवासी बनेसिंह सोलंकी ने आवेदन देकर शिकायत की कि गांव के सरपंच और सचिव के द्वारा शासकीय योजनाओं के तहत प्रदाय की जाने वाली राशि का फर्जी तरीके से आहरण कर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत को मामले की जांच करने के निर्देश दिये गये।

ग्राम दिलौद्री तहसील तराना निवासी दिनेशचंद्र विश्वकर्मा ने आवेदन दिया कि गांव में उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर कपिल धारा योजना के अन्तर्गत उनके द्वारा एक कुआ खुदवाया गया था। कुए के निर्माण के दौरान योजना के तहत उन्हें राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस पर सीईओ जनपद पंचायत तराना को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार अपर कलेक्टर द्वारा अन्य मामलों में जनसुनवाई की गई।

निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक 16 मार्च को

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों की समीक्षा 16 मार्च को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में जिला पंचायत, एनएचएआई, पीडब्ल्यू डी, पीआईयू, सेतु निगम, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, गृह निर्माण मण्डल, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, मप्र सड़क विकास निगम, सर्वशिक्षा अभियान, पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यपालन यंत्री व सहायक यंत्री को जानकारी सहित मौजूद रहने के निर्देश दिये गये हैं।

जांच टीम आज सौंपेगी जेल डीजी को रिपोर्ट

रातभर खंगाले दस्तावेज, सुबह जेल कर्मियों के बयान ››12 करोड़ का सामने आया था जीपीएफ घोटाला, भोपाल से आई कमिश्नरी ट्रेजरी टीम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के कर्मचारियों की जीपीएस राशि घोटाले की जांच के लिए सोमवार शाम जेल मुख्यालय की टीम उज्जैन पहुंची थी। रातभर दस्तावेज खंगाले गए और कंप्यूटर रिकॉर्ड चेक किया गया। सुबह जेल कर्मियों के बयान दर्ज किए गए। जांच टीम आज जेल डीजी को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। दोपहर बाद भोपाल से कमिश्नरी ट्रेजरी की 8 सदस्य टीम जांच के लिए उज्जैन पहुंची है।

ढाई सालों से केंद्रीय जेल कर्मियों के जीवन की कमाई जीपीएफ राशि का गबन किया जा रहा था। जिला कोषालय में पिछले दिनों 2 कर्मचारियों की जीपीएफ राशि निकालने का मामला पहुंचा था जहां सामने आया कि दोनों कर्मचारियों का अकाउंट नंबर एक ही है। एफसीआई कोड भी एक ही था। संदेह होने पर जिला कोषालय द्वारा मामले से कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को अवगत कराया गया। उन्होंने जांच के आदेश दिए तो 12 करोड़ का घोटाला उजागर हो गया। जिला कोषालय अधिकारी सुरेंद्र भामर ने मामले की शिकायत भैरवगढ़ थाने पहुंचकर दर्ज कराई। जेल में लेखा विभाग का काम देखने वाले रिपु दमन सिंह को आरोपित बनाया गया। कलेक्टर ने मामले की जांच के लिए जेल मुख्यालय को पत्र लिखा। जेल डीजी ने टीम गठित कर केंद्रीय जेल भैरवगढ़ भेजी। सोमवार शाम टीम के 5 सदस्य डीआईजी मंसराम पटेल, संयुक्त संचालक वित्त रमेश चंदेवाल, अनुज्ञा अधिकारी अब्दुल रहमान खान, सहा लेखापरी अधिकारी अमृत हलवे और रेवतसिंह मारवी ने रातभर लेखा विभाग में कंप्यूटर और दस्तावेज खंगाले। अल सुबह तक रिकॉर्ड चेक किया जाता रहा। उसके बाद दोपहर में जेल कर्मियों के बयान दर्ज किए गए। जिला कोषालय की जांच में सो जेल कर्मियों के जीपीएस से राशि निकलना सामने आया था। जांच टीम ने 55 लोगों को चिन्हित कर बयान लिए हैं। जांच टीम आज जेल मुख्यालय भोपाल पहुंचकर डीजी को अपनी रिपोर्ट सौंपी दी जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जेल कर्मी बोले माइनस में चले गए खाते

भोपाल मुख्यालय से जांच टीम के केंद्रीय जेल भैरवगढ़ पहुंचने के बाद जिन जेल कर्मियों के खाते से जीपीएफ की राशि धोखाधड़ी कर निकाली गई थी वह भी भैरवगढ़ जेल पहुंच गए थे। जिनका कहना था कि उनके खाते से इतनी अधिक राशि निकाली गई है कि खाता माइनस में चला गया है। एक जेल प्रहरी का कहना था कि कुछ महीने बाद उसका रिटायरमेंट होने वाला है उसने मकान बनाने के लिए जीपीएफ राशि निकालने के लिए आवेदन किया था लेकिन रिपु दमन उसे बार-बार डाल रहा था। उसका खाता भी माइनस में चला गया है प्रहरी का कहना था कि रिटायरमेंट के बाद वह कहां रहेगा।

ई-केवायसी हेतु शिविर जारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर उज्जैन जिले में लाड़ली बहना योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायत में 20 मार्च तक पात्र हितग्राहियों की समग्र आईडी के केवायसी अपडेशन एवं आधार से लिंक करने हेतु शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी तरह नगरीय निकायों में भी शिविर के माध्यम से ई-केवायसी अपडेट करने का काम जारी है। जिले में 13 मार्च तक विभिन्न जनपदों में 8238 समग्र आईडी में ई-केवायसी वेरिफाइ किया गया है, जबकि 27506 महिलाओं के सत्यापन का कार्य जारी है। जिले में कुल सात लाख 38 हजार 943 ई-केवायसी सत्यापित किये जा चुके हैं। जिले में विभिन्न जनपदों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं को ई-केवायसी आवेदन के लिये शिविर स्थलों पर लाया जा रहा है।

जन-भागीदारी समिति के अध्यक्ष सामाजिक उत्तरदायित्व ईमानदारी से निभाएँ -उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन-भागीदारी समितियों में मनोनीत अध्यक्ष अपनी नई भूमिका में ऐसे नवाचार करें, जो विद्यार्थियों के जीवन में बदलाव ला सकें। अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को ईमानदारी से निभाएँ। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव सोमवार को प्रशासन अकादमी में प्राचार्यों एवं जन-भागीदारी समितियों में मनोनीत अध्यक्षों के 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कर रहे थे।

मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। हमारी चुनौतियाँ भी बढ़ गई है। नीति में हमें कई नए पाठ्यक्रम को शुरू करने की स्वतंत्रता मिलती है। उन्होंने जन-भागीदारी समिति के अध्यक्षों से आहवान किया कि वे महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ नई शिक्षा नीति को समझें और प्लानिंग करें। महाविद्यालयों में कृषि, उद्यानिकी आदि विषयों पर केन्द्रित पाठ्यक्रम को शुरू करने में सहयोग दें। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विषय-विशेषज्ञों को महाविद्यालय में आमंत्रित कर ऐसे पाठ्यक्रमों को शुरू करवाएँ, जो न सिर्फ रोजगारोन्मुखी हो बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में बदलाव भी ला सकें। महाविद्यालय कैम्पस में पौधों की नर्सरी तैयार करें, इससे संबंधित पाठ्यक्रम भी संचालित किये जायें। पर्यटन के लिये गाइड का निर्धारित पाठ्यक्रम भी शुरू किया जा सकता है। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाविद्यालय द्वारा कंसल्टेंट नियुक्त कर स्थानीय मूल्यों पर आधारित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। महाविद्यालयों के पूर्व छात्रों को अपने साथ अवश्य जोड़ें। उन्होंने कहा कि जन-भागीदारी समिति के अध्यक्ष अपनी व्यवस्थित प्लानिंग बना कर कार्यकाल का पूरा उपयोग करें और महाविद्यालय का नाम रोशन करें।

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने कहा कि आज के उन्मुखीकरण कार्यक्रम से कई शंकाएँ दूर होंगी। जन-भागीदारी समिति में अशासकीय प्रतिनिधि मनोनीत करने का आशय यह है कि महाविद्यालय का कार्यक्षेत्र महाविद्यालय तक सीमित न रहे, पारदर्शिता और गुणवत्ता भी आए। उन्होंने कहा कि प्राचार्य और समिति अध्यक्ष बच्चों की शिक्षा और उनके सम्पूर्ण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। श्री गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालयों में रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम, औद्योगिक क्षेत्रों का भ्रमण कर सामाजिक कार्यक्षेत्र में विद्यार्थियों का सहयोग, महाविद्यालय में बाहरी हस्तक्षेप को रोकना आदि जन-भागीदारी समिति के अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी है।

आयुक्त उच्च शिक्षा श्री कर्मवीर वर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा पहली बार 314 महाविद्यालयों के प्राचार्य और मनोनीत जन-भागीदारी समिति के अध्यक्षों को 2 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में जन-भागीदारी समिति के नियम, निर्देश एवं महाविद्यालय प्रबंधन के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी। साथ ही विभागीय अधिकारी और विषय-विशेषज्ञों द्वारा जन-भागीदारी समिति से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया जायेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव की पूज्य माताजी श्रीमती लीलाबाई यादव पंचतत्व में विलीन

– चक्रतीर्थ पर हजारों लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव की माताजी श्रीमती लीला बाई यादव (92) का आज क्षिप्रा तीरे चक्रतीर्थ पर अंतिम संस्कार किया गया। प्रदेश और नगर के भाजपा नेता, यादव समाज के प्रबुद्ध जन, शिक्षाविद, संस्कृतिकर्मी, उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, नगर के प्रशासनिक अधिकारी- कर्मचारियों, व्यापारीगण, उद्योगपति, पत्रकार गणों सहित समाज के विभिन्न वर्गों और उज्जैन दक्षिण विधानसभा के लोगों ने हजारों की संख्या में अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर श्रीमती यादव को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रीमती लीलाबाई यादव वरिष्ठ समाजसेवी श्री पूनमचंद यादव की धर्मपत्नी, अपना चैनल के निदेशक श्री नंदलाल यादव, यादव महासभा के अध्यक्ष श्री नारायण यादव एवं उज्जैन नगर निगम की सभापति श्रीमती कलावती यादव की माताजी और गोविंद यादव (बबलू) और नीलेश यादव की बड़ी माँ थी। आज सुबह निज निवास गीता कॉलोनी से उनकी अंतिम यात्रा प्रारंभ हुई जो अब्दालपुरा, खजूर वाली मस्जिद, भार्गव मार्ग, सब्जी मंडी, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, ढाबा रोड़, दानी गेट से होकर चक्रतीर्थ पहुंची। अंतिम यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर अलग अलग समाज के व्यक्तियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। संपूर्ण मार्ग पर अनेक संस्थाओं व व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने पुष्पवर्षा की। चक्रतीर्थ पर ज्येष्ठ पुत्र श्री नंदलाल यादव ने मुखाग्नि दी। आयोजित शोक सभा में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक अशोक कड़ेल, मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता सचिन यादव, महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल, इंदौर के पूर्व पार्षद हरिनारायण यादव, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती, भाजपा के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष अनिल जैन कालुहेड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुण्डला, भाजपा नगर अध्यक्ष विवेक जोशी, महापौर मुकेश टटवाल, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ सनवर पटेल, राजपाल सिंह सिसौदिया, उज्जैन बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक यादव, ओम जैन, विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रम वि. वि कुलानुशासक प्रो शैलेन्द्र शर्मा, पूर्व कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्र, यादव महासभा के काशी प्रसाद यादव, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ अर्पण भारद्वाज, उज्जैन अग्रवाल समाज के विजय अग्रवाल, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष चैन सिंह यादव, विक्रम विवि कार्यपरिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह,संजय नाहर, विनोद यादव, गुलशन यादव इंदौर, प्रदीप उपाध्याय रतलाम,राजेश धाकड़ नागदा, दीपेन्द्र शर्मा धार, प्रशांत पौराणिक कुलसचिव वि.वि. वि., प्रज्जवल खरे उप कुलसचिव देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर सहित अन्य गणमान्य लोगों ने माताजी का पुण्य स्मरण कर शोक संवेदना व्यक्त की। शोक सभा की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर संघचालक श्री श्रीपाद जोशी ने की।

कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे निवास, पुष्पांजली अर्पित की–भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने आज सुबह भाजपा नेताओं के साथ डॉ यादव के गीता कॉलोनी स्थित निवास पहुंचकर माताजी के पार्थिव शरीर को पुष्पांजली अर्पित की। स्वदेश भोपाल के प्रधान संपादक राजेंद्र शर्मा, भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी, बरकतुल्ला विवि के कुलपति प्रो. एस के जैन सहित प्रदेश के विभिन्न विश्व विद्यालयों के कुलसचिवों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री सहित मंत्रि-परिषद के सदस्यों द्वारा शोक व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मंत्रीगण ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की माताजी के निधन पर मौन धारण कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। विधानसभा समिति कक्ष क्रमांक-एक में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद राष्ट्र गीत वंदे-मातरम के सामूहिक गायन के साथ बैठक शुरू हुई।

लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम के दायरे में अब 48 विभाग की 696 सेवाएँ

लोक सेवा प्रबंधन विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम में 48 विभाग की 696 सेवाएँ दी जा रही हैं। लोक सेवा प्रबंधन एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में गत दिवस विधानसभा परिसर में हुई विभाग की परामर्शदात्री समिति की बैठक में यह जानकारी दी गई। समिति के सदस्य विधायक श्री संजय सत्येन्द्र पाठक सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बताया गया कि नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर किये गये आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। लगभग एक करोड़ 22 लाख से अधिक व्यक्तियों को सीएम हेल्पलाइन से लाभान्वित किया गया है। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज 2 करोड़ शिकायतों में से 98 प्रतिशत का निराकरण किया जा चुका है। सीएम जन-सेवा में नागरिकों को दैनिक जीवन में सर्वाधिक जनोपयोगी लोक सेवा गारंटी अधिनियम की सेवाएँ दी जा रही हैं। इनमें आय, मूल निवासी प्रमाण-पत्र और चालू खसरा-खतौनी, नक्शा एवं भू-अधिकार पुस्तिका की प्रतिलिपियों का प्रदाय सीएम हेल्पलाइन नम्बर 181 पर प्राप्त कॉल पर किया जा रहा है। सीएम हेल्पलाइन से नागरिकों को व्हाट्सअप के माध्यम से दर्ज शिकायतों की स्थिति और योजनाओं की जानकारी देने की सुविधा भी दी जा रही है।

कार्यपालक निदेशक राज्य लोक सेवा अभिकरण श्री अभिजीत अग्रवान ने बताया गया कि पिछले 6 माह में लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा नागरिकों को बेहतर सेवाएँ देने के लिये उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। प्रदेश में 230 लोक सेवा केन्द्रों से आधार पंजीयन और 430 केन्द्रों से आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे हैं। बैठक में एमपी ई-डिस्ट्रिक पोर्टल की भी जानकारी दी गई।

खसरा दिवस 16 मार्च

सर्दी खांसी आंखे लाल, तेज बुखार दानेदार खसरा रोग हो सकता है

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्तर पर 16 मार्च को खसरा दिवस के रूप में चिन्हांकित किया गया है। खसरा रोग साईक्लिकल ट्रेन्ड के अनुसार प्रत्येक चौथे वर्ष बीमारी महामारी का रूप धारण करती है। डब्ल्यू.एच.ओ. (एन.सी.एस.पी.) द्वारा किये जा रहे सर्वेलेन्स डाटा के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 तक लेब कन्फर्म खसरा केसेस क्रमशः 140, 96, 136, 348, 164 (फरवरी तक) पंजीकृत हुए है।

सार समाचार

महिला के गले से मंगलसूत्र खींचकर भागे बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाजार से खरीददारी के बाद पति के साथ बाइक से घर लौट रही महिला के गले से मंगलसूत्र खींचकर भागे बदमाशों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार दोपहर दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। अमरनाथ एवेन्यू में रहने वाली ममता पति प्रकाश पारोलकर 9 मार्च को सिंधी कालोनी से खरीददारी करने के बाद पति के साथ बाइक से घर लौट रही थी। मुनीनगर से आगे जाते समय पीछे से एक्टिवा पर सवार दो बदमाशों ने उनके गले से मंगलसूत्र खींच लिया था। वारदात के दौरान दम्पति की बाइक का संतुलन बिगड़ गया था और ममता पारोलकर 50 वर्ष गिरने से घायल हो गई थी। परिजनों ने मामले की सूचना माधवनगर थाना पुलिस को दी और घायल ममता को उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे। 50 हजार कीमत का मंगलसूत्र बदमाशों द्वारा लेकर भागने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तलाश शुरु की। तीन दिन बाद सोमवार को पुलिस ने पुलिस जीवाजीगंज थाना क्षेत्र के पिपलीनाका स्थित गुमादेव मंदिर के पीछे रहने वाले कुलदीप शर्मा 20 वर्ष और हर्ष बैरागी 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। जिनकी निशानदेही पर मंगलसूत्र बरामद कर लिया गया। दोनों को मंगलवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया है।

एक युवक की मौत व दो अन्य घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बारात में सोमावार-मंगलवार रात डीजे पर गाना बजाने की बात पर चाकूबाजी हो गई। एक युवक के पेट में चाकू लगने से मौत हो गई, तीन घायल हुए है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर तीन को हिरासत में लिया है। 2 की तलाश जारी है। पंवासा थाना क्षेत्र के बजरंग कालोनी में रहने वाले माखन की बारात सोमवार रात क्षेत्र से निकाली जा रही थी। बारात प्रजापतनगर पहुंची थी, जहां डीजे पर नाचने के दौरान पसंद का गाना बजाने की बात पर बारात में शामिल सुनील पिता सिद्धार्थ प्रधान (22) की कहासुनी परिचित विशाल सारोलिया से हो गई। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि विशाल के साथी राजा, सूरज और अभिषेक बैरागी ने मारपीट शुरु कर दी। विशाल ने चाकू निकाला और पेट में मार दिया। चाकूबाजी देख सुनील के दोस्त अर्जुन विश्वकर्मा, दीपक प्रधान और एक अन्य बीच-बचाव में आए तो विशाल ने तीनों को भी चाकू मार दिये। बारात में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां सुनीन का मृत घोषित कर दिया गया। हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस प्रतापनगर पहुंच गई थी। मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर मृतक का मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि युवक की हत्या के बाद रात में ही आरोपियों को पकडने के लिये घेराबंदी कर दी गई थी। चाकू मारने वाले छोटी मायापुरी के रहने वाले है। अलसुबह विशाल, राजा और अभिषेक बैरागी को गिरफ्तार कर लिया गया। सूरज और एक अन्य की तलाश की जा रही है। गिरफ्त में आए तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। रात तक फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले की तराना तहसील के ग्राम छड़ावद निवासी महेश पिता तेजूलाल का पुत्र सुनील की 23 मार्च 2022 को अज्ञात वाहन दुर्घटना में मृत्यु होने के कारण कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी तराना की अनुशंसा के आधार पर मृतक सुनील पिता महेश की वैध वारिस उनकी माता श्रीमती संतोषबाई पति महेश को 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

2 यात्री प्रतीक्षालय निर्माण के लिये 5 लाख 30 हजार रुपये स्वीकृत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री मुरली मोरवाल ने अपने क्षेत्र के ग्राम लोहाना एवं ग्राम खेड़ावदा में स्थाई यात्री प्रतीक्षालय लाईट सहित निर्माण के लिये प्रति यात्री प्रतीक्षालय की लागत दो लाख 65 हजार 22 इस प्रकार कुल पांच लाख 30 हजार 44 रुपये स्वीकृत किये हैं। जिला पंचायत सीईओ ने इस सम्बन्ध में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के आदेश जारी कर दिये हैं। यात्री प्रतीक्षालय निर्माण कार्य की क्रियान्वयन एजेन्सी एमपी एग्रो इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन उज्जैन के जिला प्रबंधक रहेंगे।

विधायक श्री गुर्जर ने विद्युत के लिये 4 लाख रुपये स्वीकृत किये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दिलीप गुर्जर ने ग्राम नंदियासी में बिजली लाईन मय पोल ट्रांसफार्मर के डीपी से कुशवाह मोहल्ले तक कार्य के लिये चार लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। जिला पंचायत सीईओ ने इस सम्बन्ध में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के आदेश जारी कर दिये हैं। निर्माण कार्य की क्रियान्वयन एजेन्सी ग्राम पंचायत नंदियासी को कार्य प्रारम्भ करने के लिये स्वीकृत राशि में से दो लाख रुपये उपलब्ध करा दिये हैं।

विधायक श्री चौहान ने 5 लाख रुपये स्वीकृत किये

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान ने ग्राम जगोटी में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य के लिये पांच लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। जिला पंचायत सीईओ ने इस सम्बन्ध में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के आदेश जारी कर दिये हैं। आदेश के तहत निर्माण कार्य की क्रियान्वयन एजेन्सी ग्राम पंचायत जगोटी को कार्य प्रारम्भ करने के लिये स्वीकृत राशि में से ढाई लाख रुपये उपलब्ध करा दिये गये हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने लॉन्च किया नया पोर्टल

मतदाता बनने के लिये पोर्टल पर करना होगा अपना आवेदन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नागरिकों के लिए नया https://voters.eci.gov.in पोर्टल शुरू किया गया है। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर नागरिक आसानी से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे। साथ ही जो मतदाता पहले से वोटर हैं और उन्हें वोटर आईडी कार्ड में कोई संशोधन कराना है तो वे भी इस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आकर्षक फीचर्स वाला यह पोर्टल अत्यधिक सुविधाजनक भी है।

नकली-मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों के 5680 नमूने संकलित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन डॉ. सुदाम खाड़े ने बताया कि प्रदेश में नकली-मिलावटी दूध और उससे बने मावा, पनीर आदि दुग्ध उत्पादों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान 2 मार्च से लगातार जारी है। अभियान में अब तक दूध और दूध से बने उत्पादों के 5680 नमूने लिए गए हैं।विशेष अभियान में नकली-मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों का निर्माण, संग्रह और विक्रय करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही भी की जा रही है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)